वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :4 अंक : 173 | गुरुवार 17 अक्टूबर 2024 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

अरब एशिया मेना शिखर सम्मेलन का हुआ आयोजन

जयपुर. कासं

ऐसी शख्सियतें जिन्होंने समाज, शिक्षा, संस्कृति और स्वयं के कार्य विशेष क्षेत्र में ऐसी उपलब्धियां अर्जित की हैं जिनका उदाहरण आने वाली पीढ़ी के लिए अनुसरणीय है। ऐसी शख्सियतों के सम्मान के लिए दुबई में **ARAB ASIA MENA SUMMIT DUBAI** अवॉर्ड समारोह का आयोजन हुआ। जिसका निर्देशन जाने-माने बॉलीवुड अभिनेता विवेक ओबेरॉय ने किया। कार्यक्रम का आयोजन एट्रॉन दुबई चैप्टर, एशियन अरब चैंबर ऑफ कॉमर्स की ओर से हुआ। हीज हाईनेस मिर्जा अल-सईघ की ओर से आयोजित इस समारोह में सभी चयनित शख्सियतों को सम्मानित किया गया। सम्मानित हो रहे महानुभावों में भारत के साथ-साथ थाइलैण्ड, सिंगापुर, ऑस्ट्रेलिया, दुबई, अमेरिका, ओमान व पश्चिम अफ्रीका सहित कई देशों की हस्तियां शामिल हैं। कार्यक्रम में नागौर निवासी नकुल परिहार के स्टार्टअप उत्कर्ष लेडी को महिलाओं को सशक्त करने और प्लेटफॉर्म उपलब्ध करवाने के लिए सम्मानित किया गया। इस दौरान विवेक ओबेरॉय ने महिलाओं के लिए प्रादेशिक स्तर पर किए गए प्रयास की सराहना की ताकि महिलाओं को आर्थिक उत्थान के लिए सही प्लेटफॉर्म पर घर बैठे ही अपने-अपने कामों को गति मिलने का मौका मिलेगा।

जिला स्तरीय प्री-इंवेस्टमेंट समिट से पहले जयपुर जिले में हुए 1000 करोड़ के निवेश करार

राइजिंग राजस्थान में जयपुर जिला निभाएगा महत्वपूर्ण भागीदारी, अतिरिक्त जिला कलक्टर की मौजूदगी में एसोसिएशन ऑफ गारमेण्ट एक्सपोर्टर्स ने एमओयू किये साइन

जयपुर. कासं

राइजिंग राजस्थान में जयपुर जिला अपनी महत्वपूर्ण भागीदारी निभएगा। जयपुर, जयपुर ग्रामीण एवं दूदू जिलों की जिला स्तरीय इन्वेस्टर्स मीट का आयोजन 8 नवंबर 2024 को राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर, जयपुर में किया जाएगा। मीट के सफल आयोजन के लिए संपूर्ण जिले के उद्यमियों से संपर्क किया जा रहा है। इसी कड़ी में बुधवार, दिनांक 16 अक्टूबर 2024 को औद्योगिक क्षेत्र सीतापुरा में एसोसिएशन ऑफ गारमेण्ट एक्सपोर्टर, सीतापुरा के सदस्य एवं पदाधिकारियों के साथ जयपुर में निवेश के संबंध में चर्चा की गई। अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट कुन्तल बिश्नोई की अध्यक्षता में आयोजित हुई बैठक में गारमेण्ट एक्सपोर्टर एवं व्यसायियों ने एक हजार करोड़ से अधिक के निवेश करारों पर हस्ताक्षर किये। बैठक में एजेस के अध्यक्ष आरिफ कागजी, उपाध्यक्ष दिनेश गुप्ता, महासचिव मोनू करनानी, संस्थापक दलपत लोढ़ा एवं राजीव दीवान के साथ-साथ 30 से अधिक उद्यमियों द्वारा भाग लिया गया। बैठक में चाकसू के निकट रीको द्वारा प्रस्तावित नए औद्योगिक क्षेत्र में इकाईयां स्थापित करने के रूझान के साथ एजेस के सदस्यों के द्वारा अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट, जिला उद्योग केन्द्र एवं रीको के अधिकारियों की उपस्थिति में 1000 करोड़ का निवेश किए जाने के एमओयू हस्ताक्षरित किए गए। जिनके द्वारा भूमि आवंटन के पश्चात 2 वर्ष के अन्दर इकाई स्थापित कर लगभग 10,000 व्यक्तियों को रोजगार एवं लगभग 700 करोड़ का निवेश किया जाना प्रस्तावित किया गया है। इसके अतिरिक्त निजी औद्योगिक क्षेत्र इण्टरनल ग्रीन पार्क जो कि उद्यमियों द्वारा अपने स्तर से विकसित किया जा रहा है के लिए 300 करोड़ का एमओयू हस्ताक्षरित किया गया। इस तरीके से बैठक में कुल 1000 करोड़ रूपए के निवेश के लिए एमओयू हस्ताक्षरित किए गए। संगठन द्वारा बैठक में जानकारी दी गई कि वर्तमान में औद्योगिक क्षेत्र सीतापुरा में लगभग 300 गारमेण्ट की इकाईयां कार्यरत हैं जिसमें 175 इकाईयां एजेस के सदस्य हैं एवं इनके द्वारा लगभग 1500 करोड़ का व्यापार प्रतिवर्ष किया जा रहा है, जिसमें प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से लगभग 2 लाख व्यक्तियों को रोजगार उपलब्ध हो रहा है।

कम्युनिटी पुलिसिंग में राजस्थान को राष्ट्रीय पुरस्कार: आईपीएस पंकज चौधरी सम्मानित

जयपुर. कासं

राजस्थान कैडर के आईपीएस पंकज चौधरी की लीडरशिप में कम्युनिटी पुलिसिंग को राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित किया गया है। दिल्ली के होटल पुलमैन में आयोजित राष्ट्रीय स्तरीय सम्मान समारोह में आईपीएस पंकज चौधरी को कम्युनिटी पुलिसिंग में नवाचार और उमदा कार्यों के लिए डूइंग गुड फॉर भारत अवॉर्ड 2024 से सम्मानित किया। आईपीएस पंकज चौधरी को यह सम्मान शासन और सार्वजनिक सेवाओं के माध्यम से उमदा

परफॉर्मेंस के लिए दिया गया। इंडिया सीएसआर एंड ईएसजी समिट 2024 के अवसर पर राजस्थान में कम्युनिटी पुलिसिंग के कार्यों की सराहना और सम्मान करते हुए राष्ट्रीय स्तर पर नवाजा गया। सीएसआर एंड ईएसजी शिखर सम्मेलन के इस 11वें संस्करण में देशभर से चुनिंदा श्रेष्ठ कार्यों को मुकाम देने वाली हस्तियों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर पद्मश्री और ढोलकिया फाउंडेशन के अध्यक्ष शिवाजी ढोलकिया, केंद्रीय राज्यमंत्री कॉर्पोरेट अफेयर्स हर्ष मल्होत्रा, केंद्रीय वन एवं पर्यावरण राज्यमंत्री कीर्ति वर्धन सिंह, उत्तरप्रदेश के सामाजिक न्याय राज्यमंत्री असीम अरुण समेत कर्नाटक के चिकित्सा मंत्री दिनेश गुण्डु राव ने आईपीएस पंकज चौधरी को सम्मानित किया।

अन्तर्राष्ट्रीय जनजातीय संस्कृति महोत्सव

जनजातीय समुदाय के उत्कृष्ट कार्य एवं योगदान है सामाजिक समरसता की मिसाल : केंद्रीय जनजाति राज्य मंत्री

जयपुर. शाबाश इंडिया। इंटरनेशनल रोमा कल्चरल यूनिवर्सिटी के तत्वाधान में मंगलवार को जवाहर कला केंद्र में केंद्रीय राज्य मंत्री, जनजाति कार्य मंत्रालय दुर्गादास उइके के मुख्य आतिथ्य में मंगलवार को अन्तर्राष्ट्रीय जनजातीय संस्कृति महोत्सव का आयोजन किया गया। इस अवसर पर राजस्व मंत्री हेमंत मीना संसद से चुन्नीलाल गरासिया अंतरराष्ट्रीय सहयोग परिषद के महासचिव डॉक्टर श्याम परांडे सहित विश्वविद्यालय के वरिष्ठ अधिकारी का मौजूद थे। विश्वविद्यालय के निदेशक एवं राजस्थान चैप्टर के अध्यक्ष गोविन्द पारीक ने रोमा संस्कृति पर प्रकाश डाला और इंटरनेशनल रोमा संस्कृति विश्वविद्यालय की गतिविधियों की जानकारी दी। इस अवसर पर इंदिरा गाँधी नहर बोर्ड के अध्यक्ष कुंजीलाल मीणा एवं अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस, एसडीआरएफ हवा सिंह घुमरिया को प्रशासनिक सम्मान प्रदान किया गया। इस अवसर पर प्रसिद्ध समाजसेवी पंडित सुरेश मिश्रा को उनकी उपलब्धियां के लिए लाइफटाइम अचीवमेंट सम्मान से अलंकृत किया गयासाथ ही देश विदेश में विख्यात साइको स्पिरिचुअल काउंसलर एवं लाइफ कोच नितिन सारस्वत को उनकी विशिष्ट उपलब्धियां के लिए अंतर्राष्ट्रीय जनजाति संस्कृति सम्मान से सम्मानित किया गया। चिकित्सा के क्षेत्र में उत्कृष्ट के लिए विख्यात आयुर्वेद एक्यूप्रेशर विशेषज्ञ डॉक्टर पीयूष त्रिवेदी को सम्मानित किया गया।

भजनों के माध्यम से आचार्य श्री के द्वारा दिए गए संदेशों का होगा गुणगान

आनंद नगर जैन मंदिर में बहेगी भजनों की सरिता

मनीष पाटनी. शाबाश इंडिया

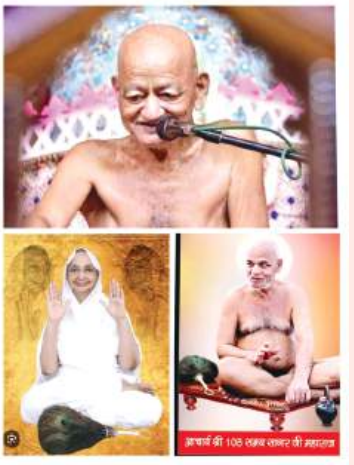

अजमेर। श्री दिगंबर जैन महासमिति अजमेर एवम श्री दिगंबर जैन महासमिति महिला एवम युवामहिला संभाग अजमेर के तत्वावधान में राष्ट्रीय संत शिरोमणि आचार्य श्री 108 विद्यासागर जी महाराज,आचार्य 108 श्री समयसागर जी महाराज एवम आर्यिका रत्न ज्ञानमती माताजी के अवतरण दिवस शरद पूर्णिमा के अवसर पर दिनांक 17 अक्तूबर 2024 को सांय 7.15 बजे से आनंद नगर में स्थापित 1008 श्री पार्श्वनाथ भगवान दिगंबर जैन मंदिर में भक्तामर पाठ,महाआरती के पश्चात भजनों का कार्यक्रम रखा है जिसमे सभी समिति सदस्य/सदस्याओ के साथ जैन समाज के धर्मावलंबी भाग लेंगे। राष्ट्रीय कार्यकारिणी के सदस्य व अजमेर संभाग के महामंत्री कमल गंगवाल एवं युवा महिला संभाग अध्यक्ष सोनिका भैंसा एवम मंत्री सरला लुहाड़िया ने बताया कि जैन भजन गायक अंकित पाटनी उनकी टीम एवम समिति सदस्याओं के अलावा अन्य भजन गायकों द्वारा श्री जी के सम्मुख भजनों की प्रस्तुति दी जाएगी। अध्यक्ष अतुल पाटनी एवम समिति की राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष मधु पाटनी ने सभी धर्म प्रेमी बंधुओ से अधिक से अधिक संख्या में इस कार्यक्रम में भाग लेने का अनुरोध करते हुए बताया कि इस अवसर पर पुरुष वर्ग सफेद कुर्ता पजामा एवम महिला वर्ग समिति की साड़ी या क्रीम कलर की साड़ी धारण किए हुए होगी। महासमिति के प्रवक्ता संजय कुमार जैन ने बताया कि कार्यक्रम पश्चात सभी धर्मप्रेमी बंधु जल पान ग्रहण करके जाए।

आचार्य श्री विद्यासागर जी और इंदौर के लिए उनका योगदान

इंदौर. शाबाश इंडिया। राष्ट्र का संपूर्ण जैन समाज आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज के समाधिस्थ होने के बाद आज पहली बार उनके जन्मदिवस पर उन्हें विनत भाव से स्मरण कर उन्हें श्रद्धा सुमन एवं विननयांजलि समर्पित करेगा। 10 अक्टूबर 1946 को कर्नाटक के ग्राम सदलगा में जन्मे और 17 फरवरी 2024 को चंद्रगिरी डोंगरगढ़ (छत्तीसगढ़) में समाधिस्थ हुए श्रमण संस्कृति के महामहिम संत शिरोमणि आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज ने 5 दशक से अधिक समय तक देश के विभिन्न शहरों में पदत्राण विहीन चरणों से पद बिहार करते हुए अथवा चातुर्मास करते हुए अपने त्याग, तपस्या, ज्ञान, साधना और अपनी करुणा की प्रभा से न केवल जैन क्षितिज को आलोकित किया वरन श्रमण संस्कृति (जिन शासन) को गौरवान्वित किया, वे जैनों के ही नहीं जन-जन के संत थे। मालव धरा (इंदौर) और धरा पर निवासरत बहुत सौभाग्यशाली हैं कि उन्हें दो बार आचार्य श्री का चरण सानिध्य मिला और उनकी चरण वंदना एवं अभिषेक करने का अवसर भी प्राप्त हुआ। पहली बार 29 जुलाई 1999 को आचार्य श्री अपने 44 शिष्यों के साथ और दूसरी बार सन 2020 में 29 शिष्यों के साथ चातुर्मास के निमित्त नगर में आए थे (हालांकि सन 1967 में भी आप ब्रह्मचारी विद्याधर के रूप में तीन दिन के लिए आचार्य श्री देश भूषण जी महाराज के संघ के साथ इंदौर आए थे) आचार्य श्री का धर्म, समाज, संस्कृति , साहित्य, राष्ट्रभाषा, गौ रक्षा, स्त्री शिक्षा, चिकित्सा एवं हथकरघा आदि क्षेत्रों में जो अवदान है वह वर्णणातीत और स्वर्ण अक्षरों में लिखे जाने योग्य है। इंदौर नगर में भी उनके ही आशीर्वाद एवं प्रेरणा से दयोदय चैरिटेबल ट्रस्ट की स्थापना,और वहां संचालित प्रतिभास्थली (आवासीय कन्या विद्यालय), गौशाला, एवं सहस्त्र कूट एवं सर्वतोभद्र जिनालय का होने जा रहा निर्माण उनकी ही प्रेरणा एवं आशीर्वाद का सुफल है।

डॉ. पीयूष त्रिवेदी को मिला अंतरराष्ट्रीय सम्मान

जयपुर. शाबाश इंडिया। अंतर्राष्ट्रीय रोमा सांस्कृतिक विश्वविद्यालय द्वारा 15 अक्टूबर 2024, मंगलवार, दोपहर 1 बजे अंतर्राष्ट्रीय जनजाति संस्कृति समारोह 2024, जवाहर कला केंद्र, जयपुर, राजस्थान में आयोजित हुआ। इस अवसर पर जनजाति क्षेत्रों में एक्यूप्रेशर और आयुर्वेद के कई चिकित्सा शिविरों का आयोजन डा पीयूष त्रिवेदी द्वारा किए गए। इन शिविरों में हमने जनजातीय लोगों को निःशुल्क स्वास्थ्य लाभ मिला।

आज के बच्चे कल के नागरिक, अपने बच्चों को संस्कारवान बनाएं: पवित्रमति माताजी

नौगामा. शाबाश इंडिया

परम पूज्य पवित्र माताजी का मंगल प्रवचन आज नौगामा नगर के SNG विद्यालय में आज पवित्र माताजी का शाला के अध्यापक गण स्काउट के छात्र बैंड बाजो के साथ आदिनाथ दिगंबर जैन मंदिर पहुंचे वहां से अगवानी कर रठऋविद्यालय पहुंचे जहां पर स्काउट छात्रों द्वारा माताजी को गॉड ऑफ ऑनर प्रस्तुत किया गया मंगलाचरण के बाद छात्रों द्वारा प्रार्थना भावना दिन रात मेरी सब सुखी संसार हो का वाद्य यंत्रों के मधुर स्वर लहरों के साथ की गई प्रार्थना के बाद आर्यिका पवित्र मति माताजी गरिमा मति माताजी करण मति माताजी के द्वारा मंगल प्रवचन दिया गया, माताजी ने अपने मंगल प्रवचन में कहा कि छात्रों को संस्कारवान बनाना चाहिए अच्छे संस्कार विद्यालय में दिए जाएंगे तो उन छात्रों का जीवन एवं उनके परिवार देश समाज सभी सस्कारित होंगे छात्रों में संस्कार अपने माता-पिता के बाद विद्यालय ही एक ऐसा स्थान है जहां पर अच्छे संस्कारों का बीजारोपण होता है आजकल मोबाइल टीवी एवं अन्य प्रचार माध्यम से बच्चों पर दुष्प्रभाव पड़ता जा रहा है जिससे बच्चे का कई प्रकार के गलत कार्य भी करते हैं बीडी सिगरेट तंबाकू नशा व्यभिचार आदि कार्यों में लिप्त रहते हैं इसीलिए विद्यालय मंदिर है और उस मंदिर में मां सरस्वती का वास होता है सरस्वती विद्या की देवी है जिसकी आराधना से ज्ञान की प्राप्ति होती है और उस ज्ञान का हमें सदुपयोग करना चाहिए हमें छात्रों में असत्य हिंसा झूठ चोरी कुशील परिग्रह इन पांचो प्रकार के व्यसन से दूर हो गये तो जीवन स्वर्ग बन जाएगा इस अवसर पर नौगामा नगर के सभी धर्म प्रेमी बंधुओ का भी आगमन हुआ विद्यालय के प्रोपराइटर सुभाष चंद्र नानावटी एवं विद्यालय के संस्था प्रधान दिलीप दोसी द्वारा सभी का आभार प्रकट किया गया कमल सिंह चौहान द्वारा स्काउट छात्रों का दिशा निर्देशन किया गया स्काउट के छात्रों का अनुशासन देखकर माताजी ने आशीर्वाद प्रदान किया।इस अवसर पर जैन समाज प्रवक्ता सुरेश चंद्र गांधी ने बताया कि आगामी 24 अक्टूबर को 1008 भगवान मुनी सूवतनाथ की प्रतिमा की भव्य अगवानी हेतु विशेष तैयारी की जा रही है दिनांक 22 अक्टूबर को बांसवाड़ा में कागदी पिकअप पर अगवानी की जाएगी वहां से भव्य जुलूस के साथ प्रतिमा खांदू कॉलोनी विज्ञानमती माताजी का आशीर्वाद

प्राप्त करने एवं वहां से मुनीश्री अजित सागर जी का आशीर्वाद प्राप्त करने तलवाड़ा नगर में प्रतिमा पहुंचेगी आशीर्वाद प्राप्त करने के बाद रात्रि विश्राम विरोदय तीर्थ पर होगा दिनांक 23 को धर्म प्रभावना हेतु बड़ोदिया नगर, कालिंजरा एवं शाम को बागीदौरा नगर में रात्रि विश्राम होगा दिनांक 24 को भव्य शोभायात्रा बेड बाजों के साथ सुखौदय तीर्थ पहुंचेगी जहां पर प्रतिष्ठचार्य प्रदीप भैया की दिशा निर्देशन में एवं पवित्र मति माताजी के सानिध्य में विराजमान की जाएगी उक्त जानकारी जैन समाज प्रवक्ता सुरेश चंद्र गांधी द्वारा दी गई।

वेद ज्ञान

भौतिक सुख की चाह...

इस संसार में ज्यादातर लोग भौतिक सुखों को ही सब कुछ मान बैठते हैं और इन्हें प्राप्त करने में अपना पूरा जीवन व्यतीत कर देते हैं। आश्चर्यजनक बात यह कि इसके बावजूद वे यह दावा नहीं कर पाते हैं कि उनका जीवन पूर्णतः सुखमय बीता। वे यह शिकायत करते मिल जाएंगे कि अपने जीवन में वे इस या उस वस्तु का सुख नहीं ले पाए, जिसका उन्हें बहुत मलाल है। वस्तुतः ऐसे लोग यह सोचते हैं कि उन्हें अमुक चीज मिल जाए, तो उनका जीवन धन्य हो जाए। कुछ प्रयासों के बाद अगर उन्हें वह वस्तु मिल भी जाए, तो वे किसी और चीज को पाने की कामना करने लगते हैं। इस तरह वे हर समय किसी न किसी चीज की कामना करते रहते हैं और उसे पाने के लिए जीवन-पर्यंत प्रयास करते रहते हैं। बहुत देर हो जाने के बाद उन्हें यह अहसास जरूर होता कि उन्होंने अपना पूरा जीवन व्यर्थ में ही गवां दिया। हमें मनुष्य जीवन बड़े सौभाग्य से मिला है, इसलिए नित्य कर्म करने के अलावा हमारे जीवन का एक विशेष उद्देश्य भी होना चाहिए। इस धरती पर हर चीज का कोई न कोई विशेष उद्देश्य जरूर है। जिस तरह सुई का काम सिलाई करने का है, तो तलवार का काम काटने का। न सुई का काम तलवार कर सकती है और न तलवार का काम सुई। दोनों का अपना-अपना उद्देश्य है। इसी तरह हम सबके जीवन का भी कोई न कोई उद्देश्य जरूर होना चाहिए और हमें हर हाल में इस उद्देश्य की पूर्ति के लिए प्रयास करना चाहिए। मनुष्य को सांसारिक मोहमाया में फंस कर नहीं रह जाना चाहिए, बल्कि उसे इससे बाहर निकलकर अपने जीवन के उद्देश्य के प्रति समर्पित भाव से साधनारत रहना चाहिए। जब तक हमें अपनी मंजिल मालूम नहीं होगी, तब तक हम भटकते रहेंगे और हमारी यात्रा कभी पूरी नहीं हो पाएगी। कुछ लोग अपने जीवन का उद्देश्य खोजने और उसे प्राप्त करने के बदले भाग्य के भरोसे बैठ जाते हैं। वे यही कल्पना करते रहते हैं कि उनके भाग्य में जो होगा, वह उन्हें मिलकर ही रहेगा। ऐसे लोग यह बात भूल जाते हैं कि मनुष्य कर्मयोगी है और कर्म किए बिना उसका भाग्य अधूरा है। हमारे कर्म से ही हमारा भाग्य बनता है। कर्म पर विश्वास करने वालों के कामों के परिणाम का अनुमान लगाया सकता है, लेकिन भाग्यवादियों के मामले में ऐसा नहीं होता।

संपादकीय

बिगड़ते जा रहे रिश्ते...

भारत और कनाडा के रिश्तों में तल्खी अब और बढ़ गई है। भारत ने कनाडा से अपने उच्चायुक्त और सभी राजनयिकों को वापस बुला लिया है और कनाडाई उच्चायुक्त और राजनयिकों को वापस जाने को कह दिया है। दरअसल हरदीप सिंह निज्जर हत्या मामले की जांच के संदर्भ में कनाडा ने कह दिया कि भारतीय उच्चायोग के राजनयिकों पर भी निगरानी रखी जाएगी। यानी राजनयिकों का प्रतिरोधक अधिकार समाप्त हो जाएगा। कनाडा

ने यह फैसला इसलिए किया कि उसके अनुसार निज्जर की हत्या में भारतीय उच्चायोग के अधिकारी भी शामिल थे ना के इस फैसले की प्रतिक्रिया में भारत ने यह कहते हुए अपने राजनयिकों को वापस बुला लिया कि वहां उनकी सुरक्षा खतरे में है। भारत ने कनाडा के इस कदम को राजनीति से प्रेरित बताया है। इस तरह राजनयिकों का किसी देश से वापस बुलाया जाना या किसी देश के राजनयिकों का बाहर निकाला जाना बहुत गंभीर बात मानी जाती है। दरअसल, दोनों देशों के रिश्तों में यह कड़वाहट जब बढ़ गई थी, जब कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडी ने प्रेस वार्ता करके बताया कि मिज्जर की हत्या में भारत की खुफिया एजेंसियों का हाथ था। हालांकि विचित्र है कि भारत इस संबंध में लगातार उससे प्रमाण मांग रहा है पर वह अब तक कोई सबूत पेश नहीं कर सका है। छिपी बात नहीं है कि कनाडा में रह रहे सिख अलगाववादी संगठनों के लोग वहां लगातार भारत विरोधी गतिविधियां चलाते रहे हैं। वहां अलग खालिस्तान की मांग को हवा देने का प्रवास होता रहा है। भारत कई वर्ष से कनाडा सरकार से इन गतिविधियों पर रोक लगाने की अपील करता रहा है, मगर वह उसे अनसुना करता रहा है। वहां सक्रिय अलगाववादी ताकतें भारतीय वाणिज्य दूतावास के बाहर कई बार प्रदर्शन कर चुकी हैं भारतीय उपयोग के बाहर लगे भारतीय झंडे का अपमान कर चुकी हैं। चौरासी के सिख विरोध रंगों की बरसी पर आपत्तिजनक झांकियां निकाल चुकी हैं। भारत के बार-बार कहने के बावजूद कनाडा सरकार ने उनके खिलाफ कोई कड़ा कदम नहीं उठाया। निज्जर के बारे में छिपी बात नहीं है कि वह भारत की तरफ से घोषित आतंकी था इंटरपोल ने भी उसे वांछित घोषित कर रखा था कनाडा के एक गुरुवारे के बाहर रहस्यमय ढंग से उसकी हत्या हो गई थी। विचित्र है कि उसका आरोप कनाडा सरकार भारतीय खुफिया एजेंसियों और उच्चायोग के अधिकारियों पर लगा रही है। अब कनाडा पुलिस ने कहा है कि इसमें लारेंस बिश्नोई गुट का हाथ भी हो सकता है। निज्जर हत्या मामले में कनाडा के निराधार आरोप से दुनिया भर में भारत की छवि खराब हो रही है। कनाडा सचमुच अपने नागरिकों की सुरक्षा को लेकर प्रतिबद्ध है, तो पहले उसे निज्जर मामले को तथ्यात्मक जांच करानी चाहिए थी, फिर कोई बयान देता। मगर हकीकत यही है कि जस्टिन ट्रूडो अपनी घटती लोकप्रियता बढ़ती महंगाई और लोगों में अपनी सरकार के प्रति नाराजगी से ध्यान भटकाने और सिख समुदाय का समर्थन हासिल करने के इरादे से इस मामले को तूल दे रहे हैं। **-राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

उठाने पड़े सख्त कदम

कनाडा सरकार की गैर जिम्मेदाराना हरकतों के जवाब में भारत ने जैसे कठोर कदम उठाए और उसके प्रति जैसी तीखी भाषा इस्तेमाल की, उसके बाद उसका तिलमिलाना तय है। इसके नतीजे में दोनों देशों के संबंधों में और गिरावट आ सकती है। भारत को यह मानकर चलना चाहिए कि प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो के सत्ता से बाहर हुए बगैर कनाडा से संबंध सुधरने वाले नहीं हैं। वह इतना अधिक अलोकप्रिय हो गए हैं कि उनके दल के नेता ही उनके नेतृत्व को चुनौती दे रहे हैं। वे इस नतीजे पर पहुंच चुके हैं कि यदि जस्टिन ट्रूडो के नेतृत्व में चुनाव लड़े गए तो पराजय तय है। ऐसे में जस्टिन ट्रूडो सिख वोटों के लालच में खालिस्तानी तत्वों को खुश करने वाली कुछ और हरकत कर सकते हैं। इस क्रम में वह भारत पर कुछ और बेतुके आरोप लगाकर उनके प्रमाण देने से इनकार कर सकते हैं। कनाडा का नया हास्यास्पद आरोप यह है कि भारत लॉरेंस बिश्नोई गैंग की मदद ले रहा है, लेकिन वह इसकी अनदेखी कर रहा है कि लॉरेंस का दाहिना हाथ गोल्डी बराड़ तो वहीं रह रहा है। भारत में वांछित ऐसे ही कुछ और अपराधी एवं आतंकी कनाडा में रह रहे हैं। हरदीप सिंह निज्जर भी इनमें से एक था। उसकी हत्या में भारत का हाथ होने का आरोप लगाने के पहले कनाडा ने यह देखना जरूरी नहीं समझा कि वह एक आतंकी था और फर्जी दस्तावेजों के सहारे भारत से भागकर कनाडा पहुंचा था। गुटीय लड़ाई में मारे जाने के बाद भारत का यह भगोड़ा जस्टिन ट्रूडो के लिए कनाडा का सम्मानित नागरिक बन गया। इसमें संदेह नहीं कि भारत सरकार कनाडा के बेतुके आरोपों को सहन करने वाली नहीं और वह आगे भी ईंट का जवाब पत्थर से देने वाली नीति पर चलेगी, लेकिन उसे कनाडा के सहयोगी देशों और विशेष रूप से अमेरिका से भी सावधान रहना होगा। इसलिए और भी, क्योंकि हरदीप सिंह निज्जर की हत्या

में भारत की कथित लिप्तता को अमेरिका भी तूल दे चुका है। इतना ही नहीं, वह भारत में वांछित खालिस्तानी आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू को हर तरह का संरक्षण दे रहा है। वह यह आरोप भी लगा चुका है कि भारत ने उसकी हत्या की साजिश रची थी। यह महज दुर्योग नहीं हो सकता कि जिन पश्चिमी देशों में खालिस्तानी बेलगाम हैं, उनमें कनाडा और अमेरिका के साथ ब्रिटेन, न्यूजीलैंड और आस्ट्रेलिया भी हैं। ये पांचों देश उस फाइव आइज नामक संगठन के सदस्य हैं, जो खुफिया सूचनाओं को साझा करते हैं। यह संभव नहीं कि ये देश इससे अनभिज्ञ हों कि उनके यहां खालिस्तानी किस तरह भारत विरोधी गतिविधियां संचालित कर रहे हैं। अब जब यह संदेह गहरा रहा है कि ये पांचों देश अपने यहां के खालिस्तानियों को भारत के खिलाफ मोहरा बना रहे हैं तब फिर दुनिया भर के सिखों को भी सावधान हो जाना चाहिए।

धार्मिक मंत्रोचारपूर्वक शुद्धिकरण, पत्रिका विमोचन के साथ हुआ पंचकल्याणक महोत्सव का आगाज

सौरभ जैन. शाबाश इंडिया

पिड़ावा। नगर में भूमिशुद्धि वेदी शिलान्यास और पत्रिका विमोचन के साथ ही 12 नवम्बर से 17 नवम्बर तक सकल दिगम्बर जैन समाज के तत्वावधान में आयोजित होने वाले पंचकल्याणक महोत्सव की तेयारियां जोर शोर से शुरू हो गई। जैन समाज प्रवक्ता मुकेश जैन चेलावत ने बताया कि विद्यासागर तिराहे के समीप नायरा पेट्रोल पंप के पीछे पंचकल्याणक महोत्सव हेतु चिन्हित स्थान पर पंडित मनीष जैन शास्त्री द्वारा विधि विधान से मंत्रोचारपूर्वक भुमिशुद्धि चेनसिंह जैन, मनोज जैन, विनोद जैन, प्रमोद जैन परिवार तथा वेदी शिलान्यास उर्मिला जैन, सीमा जैन, ज्ञानधारा जैन परिवार द्वारा किया गया। कार्यक्रम का संचालन पंडित नगेश जैन, विवेक जैन शास्त्री ने किया। कार्यक्रम के अंत में प्रभावना वितरण की गई। वही रात्रि में स्वाध्याय भवन में पत्रिका विमोचन कार्यक्रम अमोलक चंद जैन की अध्यक्षता में पुण्यार्जक परिवार प्रेमचंद जैन ग्रेन मर्चेन्ट सुनिल जैन, अनिल जैन की ओर से भक्तिपूर्वक सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पंडित नेमीचंद जैन व नेमीचंद जैन गेलानी रहे। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि जय कुमार जैन, प्रद्युमन जैन, बाबु सिंह जैन रहे। पत्रिका विमोचन से पूर्व कार्यक्रम में पंडित नेमीचंद जैन के प्रवचन हुए। उसके बाद नयामंदिर से जुलुस के माध्यम से कुबेर इंद्र अष्ट देवियाँ, लोकान्तिक देव, छप्पन कुमारियाँ, वीतराग विज्ञान पाठशाला के बच्चे हाथो में जिन ध्वजा लेकर स्वाध्याय भवन मंदिर पहुचे।

जहा अष्ट देवियों ने मंगल गान के साथ पंचकल्याणक अगवानी नृत्य प्रस्तुत किया। राकेश जैन प्रेमी ने भाव विभोर कर देने वाला अगवानी भजन पंचकल्याणक आयो रे प्रस्तुत कर महोत्सव को भव्य बनाने का सन्देश दिया। बाबु सिंह जैन कमाल ने पंचकल्याणक से पूर्व प्रतिदिन प्रभात फेरी निकालने संबधित अपने विचार व्यक्त किए। पत्रिका विमोचन कार्यक्रम का कुशल संचालन प. नगेश जैन, प. मनीष जैन शास्त्री, विवेक जैन शास्त्री ने किया। कार्यक्रम के दौरान सकल दिगम्बर जैन समाज के सदस्य, मुमुक्षु मंडल, मोक्षायतन ट्रस्टीगण, विभिन्न महिला मंडल आदि उपस्थित रहे।

शांति का उत्सव शरद पूर्णिमा

आश्विन मास की पूर्णिमा में होता यह त्यौहार।
गुलाबी ठंड की दस्तक देती मानो बसंत बहार।
छत पर रखते खीर चांद की शीतलता उपहार।
शरद ऋतु का शुभआगमन नवऊर्जा का संचार।

मन को मिलती आनंद व मिलती एक अवसर।
श्री कृष्ण ने गोपियों के साथ, रास के लिए अग्रसर।
स्कंद पुराण का मानना खास व्रतों में भी यह अग्रसर।
महालक्ष्मी की उपासना करते, रहते अजर व अमर।

रोगनाशक जड़ी - बूटी को, अमृत में नहलाते हैं।
तैयार दवा झटपट तन पर, तुरंत असर डालते हैं।
चंद्रमा भी औषधियों का स्वामी कहलाते हैं।
सोलह कलाओं से चन्द्रमा, पृथ्वी के निकट आते हैं।

धन धान्य की प्राप्ति हेतु, शुभ दिन इसे माना।
मां लक्ष्मी का जन्म भी इस दिन, लोगों ने जाना।
भगवान विष्णु की पूजा के लिए भी कुछ ने ठाना।
दीपक जलाकर सुख समृद्धि की, करें हम कामना।

रचनाकार
थानू राम साहू
मुंगेली (छत्तीसगढ़)

रोहिणी नक्षत्र में करवा चौथ व्रत, 20 अक्टूबर रविवार को

मुरैना (मनोज जैन नायक)

पूरे वर्ष भर महिलाओं को करवा चौथ के व्रत का इंतजार रहता है ।सुहागिन स्त्रियां अपने पति की दीर्घायु के लिए यह व्रत रखती हैं इस व्रत को निर्जला रखा जाता है। वरिष्ठ ज्योतिषाचार्य डॉ हुकुमचंद जैन ने बताया कि इस बार तिथियों का असर त्योहारों पर चल ही रहा है । करवा चौथ भी इस बार सूर्योदय को स्पर्श नहीं कर रही, न ही दूसरे दिन के सूर्योदय को। अर्थात चतुर्थी का क्षय हो गया । तृतीया युक्त चतुर्थी तिथि में ही सुहागिन स्त्रियां इस बार का करवा चौथ के व्रत का संकल्प लेकर कर सकेगी। जैन ने कहा 20 अक्टूबर रविवार को प्रातः 06:46 बजे से चतुर्थी प्रारंभ होकर रविवार को ही 20 अक्टूबर की रात 04:46 बजे पर समाप्त हो जायेगी। इस प्रकार करवा चौथ का व्रत और चंद्र दर्शन 20 अक्टूबर रविवार को ही होगा इस दिन रोहिणी नक्षत्र का संयोग प्रातः 08:31 बजे से चतुर्थी तिथि के साथ होने से शुभ रहेगा चतुर्थी प्रारंभ होने से पहले ही प्रातः 06:46 बजे तक भद्रा भी समाप्त हो जायेगी। पूजा मुहूर्त - इस दिन प्रातः दैनिक चर्या से निवृत होकर स्नान आदि कर व्रत रखने का संकल्प 07 बजे से पूर्व से चंद्रोदय तक निर्जला उपवास का संकल्प करे। चंद्रोदय का समय - मैदानी क्षेत्रों पर रात्रि 08:20 पर अन्य स्थानों पर रात्रि 08 :40 तक होगा। इस से पूर्व व्रतार्थी महिलाएं मिट्टी के करवा में परम्परागत तरीके से पूजन कर चंद्रोदय होने पर चंद्रमा को अर्घ देकर अपने तरीके से पूजन करे पति सहित अपने सासू मां के पैर छूकर व्रत खोलकर भोजन करे। किस राशि वालो को किस रंग की साड़ी,चूड़ी शृंगार करना चाहिए- करवा चौथ का निर्जला उपवास बड़ा कठिन है परंतु सुहाग की रक्षा, दीर्घायु के लिए रखने से महिलाओं में शक्ति आजाती है अपने राशि के अनुसार उसी रंग का शृंगार में अधिकता से और ज्यादा उत्साह उमंग आती हैं। मेष, सिंह, वृश्चिक,राशि वाले को रेड, साड़ी, चूड़ी, शृंगार की अधिकता करनी चाहिए। वृष, कर्क, तुला राशि वाले को डायमंड,चमकीली रंग बिरंगी, झिलमिलाती रंगो की अधिकता रखनी चाहिए। मिथुन, कन्या, मकर, कुंभ राशि वाले को ग्रीन, स्काई ब्लू रंगो की अधिकता रखना चाहिए। धनु,मीन राशि वालो को संतरी,ब्राउन, यलो रंग की अधिकता मिक्स कलर लेना चाहिए।

JSG
Jain Social Groups
ISO 20121:2012
जैन सोशल ग्रुप्स इन्ट. फैडरेशन नार्दन रीजन
के तत्वावधान में
जैन सोशल ग्रुप महानगर
प्रस्तुत करते हैं
भगवान महावीर की 1008 दीपकों से महाआरती
लक्की ड्रा
इंडिया पुरस्कार
आकर्षक बम्पर इनामी
22वां
JKJ JEWELLERS
दीपोत्सव
डांडिया 2024
डीजे डांडिया धमाल
चटपटे स्वादिष्ट व्यंजन
NO PLASTIC FOOD ZONE
रविवार, 20 अक्टूबर 2024, सायं 4 बजे से 10 बजे तक
स्थान : महावीर स्कूल प्रांगण, सी-स्कीम, जयपुर
Kasera KIDS Fashion Show
Entry from Pass only
मुख्य प्रायोजक
JKJ JEWELLERS
प्रायोजक
ARL Infratech Ltd.
CHART GROUP
cityvibes
SHREE RAM GROUP
SOGANI JEWELLERS
फैशन शो मुख्य प्रायोजक
Shree Kasera Tent & Event
फैशन शो प्रायोजक
JK MASALE
हाऊजी प्रायोजक
KESHAV
सहयोगी संस्थाएं: जेएसजी ग्लोरी, मैट्रो, हैरिटेज, वीनस, राजधानी, राजस्थान जैन युवा महासभा, डीजेएसजी सन्मति, अखिल भारतीय दिगम्बर जैन युवा परिषद संभाग मानसरोवर

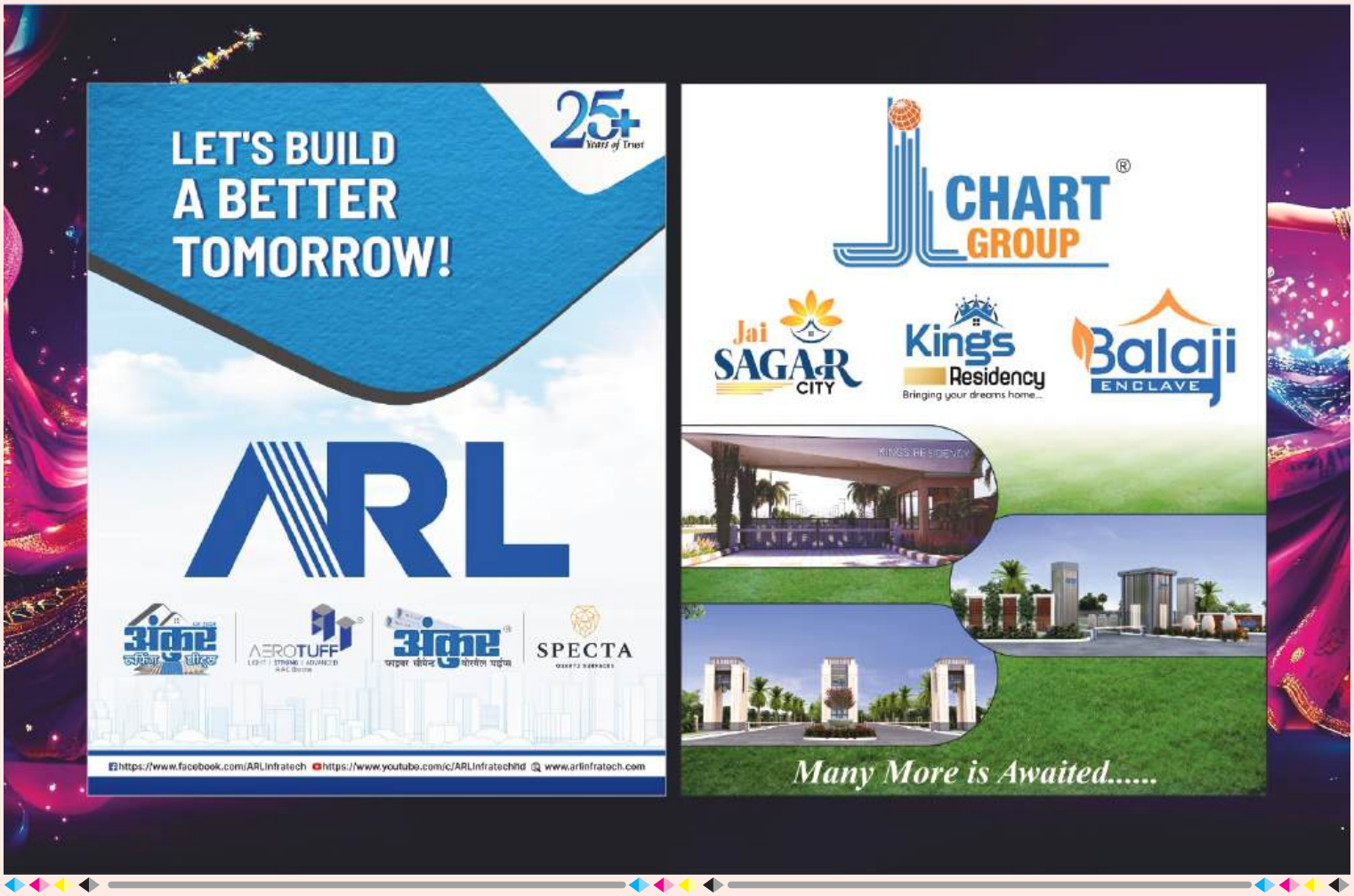
LET'S BUILD A BETTER TOMORROW!
25+ Years of Trust
ARL
AEROTUFF
SPECTA
https://www.facebook.com/ARLInfratech
https://www.youtube.com/c/ARLInfratechltd
www.arlinfratech.com
CHART GROUP
Jai SAGAR CITY
Kings Residency
Bringing your dreams home...
Balaji ENCLAVE
Many More is Awaited.....

भारत का डेटा भारतीय डेटा सेंटर में ही रहना चाहिएः आकाश अंबानी

एआई और मशीन लर्निंग डेटा सेंटर स्थापित करने के लिए सरकार दे प्रोत्साहन

नई दिल्ली. कासं। रिलायंस जियो के चेयरमैन आकाश अंबानी ने इंडिया मोबाइल कांग्रेस 2024 में कहा कि भारत का डेटा भारतीय डेटा सेंटर में ही रहना चाहिए, क्योंकि देश में डेटा जनरेशन की रफ्तार एआई के साथ तेजी से बढ़ रही है। उन्होंने देश में एआई और मशीन लर्निंग डेटा सेंटर स्थापित करने की जरूरत पर जोर देते हुए सरकार से भारतीय कंपनियों को इसके लिए प्रोत्साहन देने की मांग की। इसके साथ ही, उन्होंने डेटा सेंटर नीति 2020 के मसौदे को जल्द अपडेट करने का आग्रह किया। आकाश अंबानी ने कहा कि विकसित भारत के निर्माण में एआई की महत्वपूर्ण भूमिका है और जियो ने किफायती कीमतों पर शक्तिशाली एआई मॉडल और सेवाएं प्रदान करने की दिशा में प्रयास शुरू कर दिए हैं। उन्होंने बताया कि जियो एक राष्ट्रीय एआई इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार कर रहा है, जिससे हर भारतीय को एआई का फायदा मिल सकेगा, ठीक वैसे ही जैसे मोबाइल ब्रॉडबैंड के साथ हुआ था। प्रधानमंत्री की विजनरी लीडरशिप की प्रशंसा करते हुए अंबानी ने कहा कि भारत अब दुनिया को एआई समाधान देने में सक्षम है।

Rotary DISTRICT 3056 | THE MAGIC OF ROTARY

ROTARY CLUB JAIPUR CITIZEN

DONATE BLOOD

ROTARY CITIZEN BLOOD DONATION CAMP

ROTARY CLUB JAIPUR CITIZEN

मेगा ब्लड डोनेशन कैंप 20 से 23 अक्टूबर 2024 तक 10 रक्तदान शिविर

क्र.सं.	रक्तदान शिविर		शिविर आयोजक	रक्तदान शिविर स्थल
	दिनांक	समय		
1.	20 अक्टूबर	प्रात: 8 से 4 बजे तक	प्रज्ञा इंस्टीट्यूट ऑफ पर्सनेलिटी डवलपमेंट	गली नम्बर 6, बरकत नगर, जयपुर
2.	20 अक्टूबर	प्रात: 9 से 1 बजे तक	श्री महावीर कॉलेज	सी-स्कीम, जयपुर
3.	20 अक्टूबर	प्रात: 9 से 3 बजे तक	सेंक्टम एकेडमी आमेर	सेंक्टम एकेडमी आमेर, जयपुर
4.	21 अक्टूबर	प्रात: 10 से 3 बजे तक	एस डी एम एच ब्लड बैंक	एस डी एम एच ब्लड बैंक, जयपुर
5.	21 अक्टूबर	प्रात: 10 से 3 बजे तक	सुप्रीम हाईट्स	गोपालपुरा बाईपास रोड, जयपुर
6.	21 अक्टूबर	प्रात: 9 से 2 बजे तक	बेबीलोन होस्पिटल	311, आदर्श नगर, जयपुर
7.	22 अक्टूबर	प्रात: 9 से 1 बजे तक	ए आर एल इंफ्राटेक लिमिटेड	गांव धामी खुर्द, बगरू, एन एच 8, अजमेर हाइवे, जयपुर
8.	22 अक्टूबर	प्रात: 10 से 3 बजे तक	आकृति लेब	गांधी नगर मोड़, टोंक रोड, जयपुर
9.	22 अक्टूबर	प्रात: 10 से 3 बजे तक	ग्लोबल हर्ट एंड जनरल हॉस्पिटल	वेशाली नगर, जयपुर
10.	23 अक्टूबर	प्रात: 10 से 3 बजे तक	जेईसीआरसी यूनिवर्सिटी	प्लॉट नं. आईएस 2036-2039, रामचंद्रपुरा इंडस्ट्रीयल एरिया, सीतापुरा

Rtn. Dinesh Mitu Jain Baj, President | Rtn. Sudhir Sangeeta Godha, Charter President | Rtn. Narendra Seema Mittal, Secretary | Rtn. Neeraj Archana Kala, Treasurer

CHAIRMAN
Rtn. Amit-Sonil Agarwal

पुस्तक : ''बिखरी पंखुड़ियां''

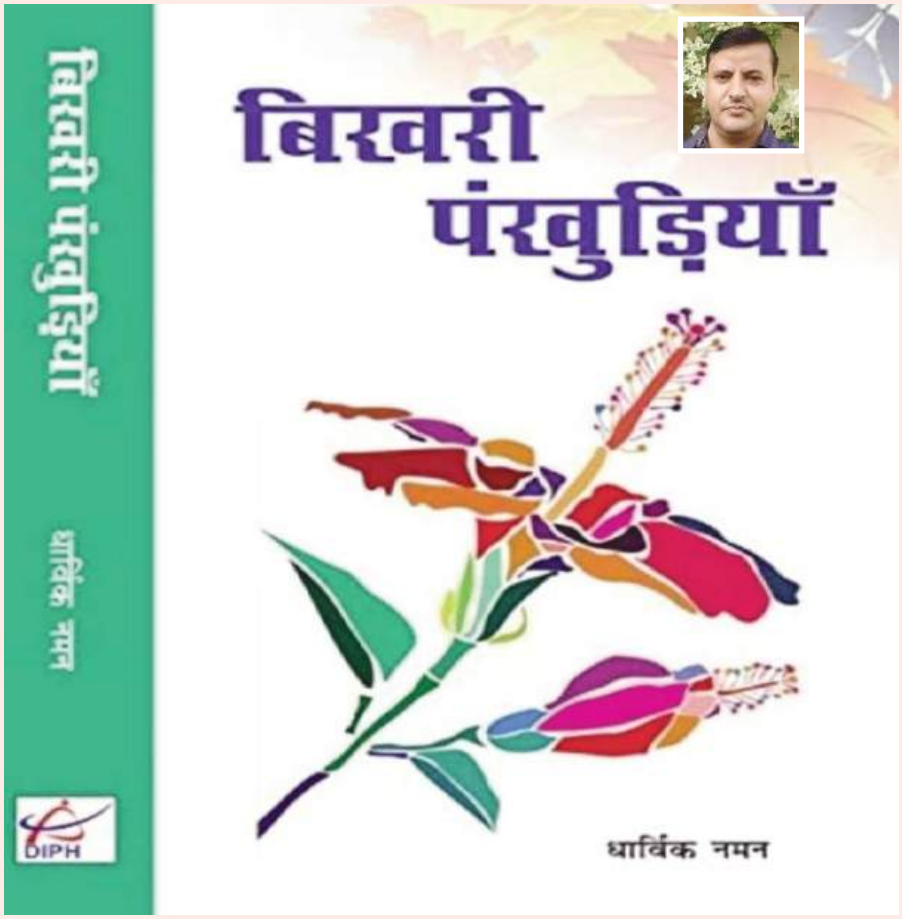

साहित्य अभिव्यक्ति का सशक्त माध्यम है। साहित्य की कोई भी विद्या चाहे वह कविता हो, गीत हो, गजल या कहानी हो समाज से उपजी विद्रूपता को मुखरित करती है।'धार्विक नमन' के कविता संग्रह "बिखरी पंखुड़ियां" में बदलते समय का प्रभाव भी है और समय के साथ न बदल पाई अडिग निजता भी है। ''धार्विक नमन'' एक लेखक, कवि एवं स्वतंत्र पत्रकार भी हैं। ''बिखरी पंखुड़ियां'' कविता संग्रह में एक संवेदनशील रचनाकार के मनोभावों की सशक्त अभिव्यक्ति हुई है। 'धार्विक नमन' की नजर एक तरफ ना होकर चौफेर जाती है। उनके कविता के विषय विभिन्नता लिए हुए हैं।एक और जहां मानवीय रिश्तों के तानों-बानो से गुंथी हुई जीवन की सच्चाई है, वहीं दूसरी ओर प्रेम की सहज अभिव्यक्ति हुई है। 'धार्विक नमन' की कविताओं में प्रकृति है, सत्ता के विरुद्ध लड़ने की आवाज है, प्रेम है, विरह है, पीड़ा है, दुख और इन सबसे अधिक एक जीवन के प्रति सकारात्मक उम्मीद है। लेखन जब समाज से उपजी पीड़ाओं और चुनौतीयों को लिए हुए मुखरित होता है तो वह आमजन का लेखन बन जाता है। समाज की समस्याएं और चुनौतियां जब लेखन में झलकती हैं तो आम पाठक भी उससे जुड़ता जाता है। लेखन की भाषा शैली सहज और सरल हो तो 'सोने पर सुहागा' हो जाता है। आम पाठक को आसानी से समझ आने वाला साहित्य ही आम लोगों का साहित्य है। 'धार्विक नमन' के लेखन में भाषागत क्लिष्टता नहीं है। 'नमन' की भाषा शैली बहुत सहज और सरल है। कहीं पर भी बनावटीपन नजर नहीं आता। सबसे अच्छी बात यह है कि जैसा देखा गया और जैसा महसूस किया गया, वही बातें उनके लेखन में स्पष्ट रूप से झलकती हैं। इसका एक कारण यह भी है कि लेखक/ कवि स्वयं इन परिस्थितियों और चुनौतियों से निकले हुए हैं। अपने आसपास होने वाली इन समस्याओं और पीड़ाओं को बहुत करीब से देखा है। खेत-खलिहान और किसान की बात करने वाला व्यक्ति ही उनकी पीड़ा को समझ सकता है यह लेखक / कवि ने सिद्ध किया है। भारतीय संस्कृति में अनेक परंपराएं विरासत में मिली हैं किंतु बदलते परिवेश में अनेक परंपराएं समाप्त होती नजर आ रही हैं। समाज के इस बदलाव की तरफ भी कवि का ध्यान गया है। अपने लेखन में बदलाव को समाज के सामने रखा है।शायद समाज इन बातों पर थोड़ा मनन करेगा। हमारी सांस्कृतिक विरासत को संजोये रखना हम सब की सामूहिक जिम्मेदारी है! 'धार्विक नमन' ने आज के समाज के एक ज्वलंत मुद्दे पर बात रखी है। आज चारों ओर अविश्वास की खाई बढ़ती जा रही है। रिश्तों के बीच दूरियां बढ़ती जा रही हैं । रिश्तों और लोगों के दिलों मे दूरियां पैदा हो रही हैं और इन सब के पीछे कहीं ना कहीं सुनी-सुनाई बातों को इधर-उधर करना रही है। यह सच है कि व्यक्ति अपनी वाणी से ही पहचाना जाता है वरना अच्छी बातें तो दीवारों पर भी लिखी होती हैं। हमें अच्छा बोलना चाहिए, संयमित बोलना चाहिए और प्रेम पूर्वक बोलना चाहिए। यह मनुष्य के व्यवहार को दिखाती हैं। धार्विक नमन का रचना संसार बहुत विस्तृत है। गजल, कविता, गद्य लेखन में भी वे सिद्धहस्त हैं। 'धार्विक नमन' का लेखन आम व्यक्ति के जुबान पर सहजता से चढ़ जाता है। पाठक स्वयं को उनकी कविताओं से जोड़ लेता है। यह उनके लेखन की ताकत है। 'बिखरी पंखुड़ियां' धार्विक नमन का एक बेहतरीन और पठनीय कविता संग्रह है। पुस्तक के लिए 'धार्विक नमन जी' को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं!

-डॉ. धर्माराम सहारण/
सरदारशहर (चूरू) राजस्थान।

अन्तर्मना आचार्य प्रसन्न सागरजी महाराज के प्रवचन से...

कुलचाराम, हैदराबाद. शाबाश इंडिया। आदत थी हमें रिश्तों में, दुध की तरह घुल मिल जाने की.. याद ही नहीं कि जमाना तो शुगर फ्री हो गया है ! इसलिए सन्त अपने प्रवचनों में सिद्धान्त नहीं, श्रद्धा देता है। शास्त्र नहीं सत्य देता है। पंथ नहीं पथ देता है। ज्ञान नहीं अनुभव देता है। तभी तो ये चलते फिरते सन्त, अरिहंत जीवन में अनुभव बटोरते हैं, और अमृत बांटते हैं। सन्त इस देश की जीवन्त प्राण प्रतिष्ठेय होते हैं। किसी ने पूछा - आदमी और कुत्ता में क्या अन्तर है ? हमने कहा कुत्ता हमेशा, अनजान को देखकर भौंकता है। लेकिन आदमी जब भी भौंकता है तो जाने पहचाने को देखकर, भौंकता है। कुत्ते को कोई अपरिचित मिल जाए तो वह जरूर भौंकता है। लेकिन आदमी की स्थिति इससे विपरीत है। वह हमेशा अपनों को देखकर ईर्ष्या करेगा, जलेगा। कोई किसी का खास हो जाये तो सहन नहीं कर पायेगा, अपनों के मान सम्मान कीर्ति में भीतर ही भीतर खाक हो जायेगा, और अपनों को देखकर भौंकता है। यदि किसी को अपना बनाना है तो सबसे प्रेम करो। सबकी सेवा करो, और सब में प्रभु के दर्शन करो। धर्म का मूल उद्देश्य और सन्देश भी यही है। दुश्मन को अपना बनाना है तो उसकी पीठ पीछे खूब प्रशंसा करो। जब वो दूसरे के मुख से अपनी प्रशन्सा सुने तो पानी पानी हो जाये। वही इंसान आज समझदार है, जो दुश्मनों में भी दोस्ती का हाथ बढ़ा दे ! **-नरेंद्र अजमेरा पियुष कासलीवाल औरंगाबाद**

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर **'शाबाश इंडिया'** आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

डांडिया के पोस्टर का विमोचन

जैन सोशल ग्रुप का डांडिया 20 अक्टूबर को

जयपुर. शाबाश इंडिया

जैन सोशल ग्रुप महानगर द्वारा 22वां JKJ डांडिया महोत्सव 20 अक्टूबर 2024 को महावीर स्कूल प्रांगण में हो रहा है, जिसके पोस्टर का विमोचन सहकारिता एवं उड्डयन राज्यमंत्री गौतम कुमार दक ने किया। इस अवसर पर महानगर के पूर्व अध्यक्ष वीरेंद्र गदिया, दीपेश छाबड़ा, सचिव सुनील- अनीता जैन गंगवाल, सुधीर सोनी, पंकज जैन, सुनील मिनाक्षी जैन आदि के साथ बीजेपी के वरिष्ठ पदाधिकारी आशीष जैन उपस्थित थे। मुख्य संयोजक दीपेश अलका छाबड़ा ने बताया कि डांडिया से पूर्व नन्हे मुन्ने बच्चों का ट्रैडिशनल थीम पर विभिन्न आयु वर्ग में फैशन शो होगा व विजेता बच्चों को पुरस्कृत किया जाएगा। अध्यक्ष संजय - सपना छाबड़ा ने बताया इस डांडिया के उद्घाटन कर्ता जतिन मौसून, मुख्य

अतिथि प्रमोद पहाड़िया अध्यक्ष पीयूष सोनी, महावीर कसेरा, कुलदीप ढिल्लों, डी डी वर्मा, विकास जैन, उमराव मल साँघी, रेणु राणा, सुनील पहाड़िया, नरेश यादव, कमल सरावगी, प्रवीण बड़जात्या, पवन जैन, मुकेश शर्मा, अखिल जैन, कैलाश ठोलिया, सुशील कासलीवाल आदि है। सचिव सुनील-अनीता जैन गंगवाल ने बताया इस कार्यक्रम के संयोजक पंकज - विनीता जैन, महावीर - सुनीता कसेरा, अमिता - राजकुमार जैन, पवन - मनीषा जैन, विनीत - सोनीका जैन, स्वाति- नरेंद्र जैन, विनीत- मोनिका जैन, प्रशांत- रीना पांड्या, संजय -मैनका जैन, सुनील -मिनाक्षी जैन है। साथ ही सहयोगी संस्था के रूप में जे एस जी ग्लोरी, मेट्रो, हेरिटेज, विनेस, राजधानी, राजस्थान जैन युवा महासभा, DJSG सन्मति, अखिल भारतीय दिगंबर जैन युवा परिषद मानसरोवर संभाग शामिल होंगे।

आचार्य पद की आराधना से साधकों में नई ऊर्जा का संचार होता है: युवाचार्य महेंद्र ऋषि जी महाराज

एएमकेएम में नमो आयरियाणं पद की हुई आराधना

चैन्नई. शाबाश इंडिया

एएमकेएम जैन मेमोरियल सेंटर के आनन्द दरबार में श्रमण संघीय युवाचार्य महेंद्र ऋषिजी के सान्निध्य में बुधवार को नवपद के तीसरे, आचार्य पद के गुणों की व्याख्या, आराधना काउसग्ग मुद्रा में ध्यान के माध्यम से हुई। नवपद में आचार्य पद का तीसरा स्थान है। आचार्य पदधारी हमें जिनवाणी का अर्थ समझाते है। नमो आयरियाणं पद में कोई एक आचार्य को नमन, वंदन नहीं है बल्कि जगत में जितने भी आचार्य है, उन्हें वंदन किया गया है। आचार्य के 36 गुण होते हैं। संघ को चलाने की जिम्मेदारी आचार्य की है। आचार्य क्षमा की साक्षात प्रतिमूर्ति होती है। नमो आयरियाणं की साधना, आराधना व व्याख्या ध्यान के माध्यम से करते हुए युवाचार्यश्री ने कहा कि समस्त जिनशासन की साधना, आराधना को भव्य जीवों तक पहुंचाने वाले उपकारी आचार्य भगवंत, आपके चरणों में नमन, वंदन। अरिहंत परमात्मा की देशना, उनके द्वारा प्रदत्त साधना, उनके द्वारा प्ररुपित पवित्र धर्म की साधना को नमन, वंदन। आचार्य पद नवपद के तीसरे पद पर विराजमान हैं। समस्त चतुर्विध संघ के नायक, सबको साथ में ले चलने वाले, सबको आगे बढ़ाने वाले, प्रत्येक साधक की उत्कर्ष भावना रखने वाले, ऐसे आचार्य भगवंत को नमन, वंदन। उन्होंने कहा नमो आयरियाणं पद की साधना, आराधना पीत वर्ण के साथ होती है। स्वर्ण के साथ पीला रंग है। उस रंग के साथ नमो आयरियाणं का जप साधकों को अनेक लाभ देने वाला है। जैसे स्वर्ण विष को नष्ट करने वाला है, शरीर के

मिसमेचिंग, हानिकारक तत्व को दूर करने का सामर्थ्य स्वर्ण में है, वैसे ही आपका स्मरण, आपकी भक्ति मेरे मानस में, मेरी चेतना में लगी हुई नकारात्मक शक्ति, कार्मण वर्गना को दूर करने में सक्षम है। कर्म के विष को दूर करने वाले ऐसे आचार्य पद का आलंबन नमो आयरियाणं जप से मिलता है। उन्होंने कहा स्वर्ण रसायन रुप होता है। जैसे रसायन संपूर्ण शरीर के प्रत्येक अंग को तेज, कांति से नई ऊर्जा से भर देता है। वैसे ही नमो आयरियाणं का पद और आपको किया हुआ नमस्कार प्रत्येक साधक में नई ऊर्जा का संचार करता है, हताशा-निराशा को दूर कर देता है। जैसे स्वर्ण मंगलकारक माना जाता है, वैसे ही नमो आयरियाणं पद मंगल करने वाला, विघ्नों का विनाश करने वाला है। विशेष उत्सवों, विशेष तिथियों में स्वर्ण का महत्व उसके मांगल्य के कारण होता है, वैसे ही नमो आयरियाणं पद साधना की प्रत्येक साधना में मंगल करने वाला, विघ्नों को दूर करने वाला, आने वाले विघ्न से बचाने वाला है। स्वर्ण जैसे विनीत होता है, लचीला होता है, वैसे ही आचार्य भगवंत भी अपने गुरुदेव के प्रति विनम्र भाव रखने वाले हैं। प्रत्येक साधक की योग्यता अनुरूप उसे संवाद करके साधना में आगे बढ़ाने वाले हैं। स्वर्ण जैसे प्रदक्षिणा वर्ग होता है, जो शुद्ध बनने के बाद दाहिनी ओर आवर्त लेता है, वैसे ही आचार्य भगवंत प्रत्येक साधक को सन्मार्ग में आगे बढ़ाने वाले हैं। जैसे स्वर्ण श्रेष्ठतम, मूल्यवान धातु है, वैसे ही आप साधना के श्रेष्ठतम शिखर, साधना का श्रेष्ठ रुप आपमें है। नमस्कार हो आपको। जैसे स्वर्ण अदाग्य होता है, जलता नहीं, वैसे ही कैसी भी प्रतिकुलता आ जाए, आपको अपनी गंभीरता से विचलित नहीं कर सकते। जैसे स्वर्ण में जंग नहीं लगता, वैसे ही आपके वचन, आपके द्वारा प्ररुपित सिद्धांत को कोई दुषित नहीं कर सकता है। नमो आयरियाणं का ध्यान पीत वर्ण के साथ, जो स्वर्ण के समान कान्तिवान, तेजस्वी, ऐसे आचार्य पद की उपासना नवपद की आराधना में हमें तीसरे पद के माध्यम से भव्य आत्मा के द्वारा किया जाता है। यह साधना, उपासना प्रत्येक साधक के भीतर उत्साह जगाए, अपने वचनों के प्रति निष्ठा जगाए,जीवन को श्रेष्ठतम बनाए। साध्वी दिव्ययशा जी ने श्री पाल चारित्र वाचन किया था। नन्हे बालक ध्रुव जैन ने सातवें आयम्बिल के प्रत्याख्यान लिए। 19 अक्टूबर को साध्वी जिव्या श्री जी की बड़ी दिक्षा होने जा रही है। -**प्रवक्ता सुनिल चपलोत**

गीतों में चांदनी बरसी

नई पीढ़ी के ये तेवर नया इतिहास लिखेंगे, अंधेरों की कलम से रोशनी की आस लिखेंगे

जयपुर. शाबाश इंडिया

शरद पूर्णिमा की रात बादलों की ओट से चांद की शीतल फुहार काव्य धारा से मिली तो सृजन की अविरल धारा बह निकली। प्रोग्रेसिव राइटर क्लब की ओर से आयोजित गीत चांदनी और तारा प्रकाश जोशी सम्मान समारोह में देश के कवि गणों ने अपने काव्य पाठ से लोगों को आनंदित किया। गीत चांदनी कार्यक्रम में गाजियाबाद से पधारे कवि बृजेश भट्ट ने छिल-छिल काधे गए पांव का निकला जैसे श्री राम चलते-चलते मिली जिंदगी कावर लिए हुए शंखनी गागर लिए हुए कविता के पाठ कर सभी को रस की धारा में डुबो दिया । इसके बाद लक्ष्मीपुर खीरी से कवि ज्ञान प्रकाश अकाल ने हम किसी बहरे समय में बांसुरी की तान जैसे, हम किसी बंजर धरा पर उग रहे थे धान जैसे कविता सुनकर गीत चांदनी कार्यक्रम को आगे बढ़ाया । दोसा की सपना सोनी ने मेरे मन की धारा पर मधुर भाव से चित्र अपने सलोना बना दीजिए जितनी गजलें कहीं है मेरे दोस्तों उनके कुछ शेर तो गुनगुना दीजिए और औरैया से पधारी औरैया से आई इति शिवहरे ने कुंडली तो मिल गई है मन नहीं मिलता पुरोहित क्या सफल परिणय रहेगा कविता सुनाई तो श्रोता अपनी तालिया को नहीं रोक सके। चूरू के कवि बनवारी लाल खामोश ने जोशीले अंदाज में अपनी कविता अपने आंगन कब आया कोई त्यौहार ही दिन सौदे बाजी करने आते हैं व्यापारी दिन और नागौर के धनराज दाधीच ने अपनी कविता बंटवारे को कर लिया कुछ ऐसे आसन हमने आंसू रख लिए उनको दी मुस्कान चित्तौड़ से पधारे और गीत चांदनी का संचालन कर रहे कवि रमेश शर्मा ने पत्ते झड़ने लगे बूढ़ा बरकत हुआ बस गई उम्र का आकलन रह गया मेरे गीतों पर जो तुम बाधी कभी जिल्द वह फट गई संकलन रह गया सुनाकर गीत चांदनी कार्यक्रम को ऊंचाइयां थी। इस अवसर पर विधायक गोपाल शर्मा, राधा मोहन चतुर्वेदी और आरएएस अधिकारी पंकज ओझा ने लखीमपुर खीरी के ज्ञान प्रकाश आकुल को दुशाला साफा स्मृति चिन्ह अभिनंदन पत्र माला और ₹21000 नगद प्रदान कर तारा प्रकाश जोशी सम्मान से सम्मानित किया। गीत चांदनी के संस्थापक विशंभर मोदी का प्रोग्रेसिव राइटर क्लब की ओर से कार्यक्रम आयोजक शायर और कवि लोकेंद्र कुमार साहिल और संस्था पदाधिकारी ने स्मृति सिन्हा शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया। इस अवसर पर कवि साहित्यकार और बड़ी संख्या में सुदीश श्रोता उपस्थित थे।

1000 किलो नकली देशी घी बरामद

जयपुर. कासं। मुहाना मंडी के पास केश्यावाला गांव में पॉम ऑयल, रिफाइंड व एसेंस मिलाकर नकली देशी घी बनाने की फैक्ट्री पकड़ी है। इसकी मानसरोवर एसीपी (आईपीएस) आदित्य काकड़े को बुधवार सुबह सूचना मिली थी। इसके बाद एसीपी ने टीम के साथ छापा मारा। जिसमें 1 हजार किलो सरस और कृष्णा ब्रांड नकली घी को जब्त किया गया। इसके बाद एसीपी काकड़े ने फूड डिपार्टमेंट को सूचना दी। घी को 400 से 450 रुपए किलो बेचा जा रहा था। जांच में पता चला कि एक माह पहले ही फैक्ट्री लगाई गई थी और अब तक 2000 किलो घी बनाकर अलग-अलग इलाके के बाजार में सप्लाई किया जा चुका था। इधर, फूड डिपार्टमेंट कार्रवाई कर 4 दिन में 6000 किलो नकली घी जब्त किया जा चुका है। एसीपी आदित्य काकड़े ने बताया कि केश्यावाला में नकली घी की फैक्ट्री पर बुधवार सुबह 8 बजे छापेमारी की गई। फैक्ट्री में नकली घी की पैकिंग करते हुए इकरार पुत्र वहीद खान (22) निवासी आगरा और समीर पुत्र शहाबुद्दीन (20) निवासी इटावा (यूपी) को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया। आरोपी फैक्ट्री मालिक मनीष गुप्ता मौके से भाग गया। घर से कृष्णा और सरस ब्रांड के 1 लीटर घी के पैकेट बरामद किए गए हैं। इसके बाद मौके पर सरस डेयरी व कृष्णा घी कंपनी के प्रतिनिधियों को बुलाया गया। उन्होंने पैकिंग के डिब्बों को नकली बताया। इस संबंध में सरस डेयरी की ओर से कॉपीराइट एक्ट में मुहाना थाने में मामला दर्ज किया गया है।

दृष्टिहीन बालिकाओं की सेवा करके पुण्य का संचय किया

रोहित जैन. शाबाश इंडिया

अजमेर। लायंस क्लब अजमेर आस्था द्वारा गोटा कॉलोनी निवासी भामाशाह महावीर चौधरी के सहयोग से जयपुर रोड स्थित लाडली घर शाखा दो शिवमंदिर माली समाज के पास भोपा का बाड़ा में स्थापित लाड़लीघर आवासीय विद्यालय में शिक्षा के साथ संस्कार ग्रहण करने वाली 32 दृष्टिहीन बालिकाओं को मिष्ठान युक्त स्वादिष्ठ भोजन की सेवा दी गई। क्लब अध्यक्ष लायन रूपेश राठी ने बताया कि महावीर चौधरी के सहयोग से कार्यक्रम संयोजक पूर्व क्षेत्रीय अध्यक्ष लायन पदम चंद जैन एवम पूर्व सचिव लायन कमल चंद बाफना के संयोजन में सभी आवासीय दृष्टिहीन बालिकाओं को सम्मान के साथ मिष्ठान युक्त भोजन कराया गया। इस अवसर पर लाडली घर में महावीर चौधरी, श्रीमती कमला देवी खटोड़, लायन कमल चंद बाफना, लायन पदम चंद जैन आदि मोजूद रहे। अंत में लाडली घर के संस्थापक एवम राष्ट्रीय संत कृष्णानंद जी महाराज ने सभी को अपना आशीर्वाद दिया।

इनरव्हील क्लब कोटा नॉर्थ की मैराथन दौड़, पर्यावरण बचाने का दिया सन्देश

आजाद शेरवानी. शाबाश इंडिया

कोटा । इनरव्हील क्लब कोटा नॉर्थ द्वारा पर्यावरण बचाने का सन्देश देते हुए मैराथन दौड़ आयोजित की गई। पेड़ लगाओ धरती बचाओ, पॉलीथिन का इस्तेमाल बंद करो और यदि पॉलीथिन इस्तेमाल करें तो उसको रिसाइकल करें इस सन्देश को देते हुए इस दौड़ का आयोजन किया गया। सेक्रेट्री डॉ विजेता गुप्ता द्वारा मैराथन दौड़ का मुख्य रूप सै संचालन किया गया और पब्लिक द्वारा पॉलीथिन को ले कर जो भी सवाल किये गये उनका जवाब उन्होंने उन्हें बहुत ही अच्छे तरीके से समझाया गया। क्लब अध्यक्ष सरिता भूटानी ने बताया कि चेयरमैन स्वाति गुप्ता जी का पर्यावरण अवैरनेस का मुख्य मुद्दा है जिससे धरती को बचाया जा सके धरती के टेम्प्रेचर को देखते हुए मुख्य लक्ष्य वृक्ष लगाना अत्यन्त आवश्यक है। कोटा नॉर्थ के मेंबर्स द्वारा बनाये गये जिनके द्वारा अवैरनेस को बताया गया। ई वेस्ट के बारे मे बताया गया कोटा मे एक ऐसी संस्था है जो ई वेस्ट को लेती है। दिवाली की सफाई मे ई वेस्ट का सामान ज्यादा निकलता है सभी लोगों को क्लब की तरफ से कागज की प्लेट पर जलेबी व कचौरी बाँटी गई दौड़ को सफल बनाने मे सभी आम जन का सहयोग रहा ब्लड डोनेशन के बारे में भी जानकारी दी गई।

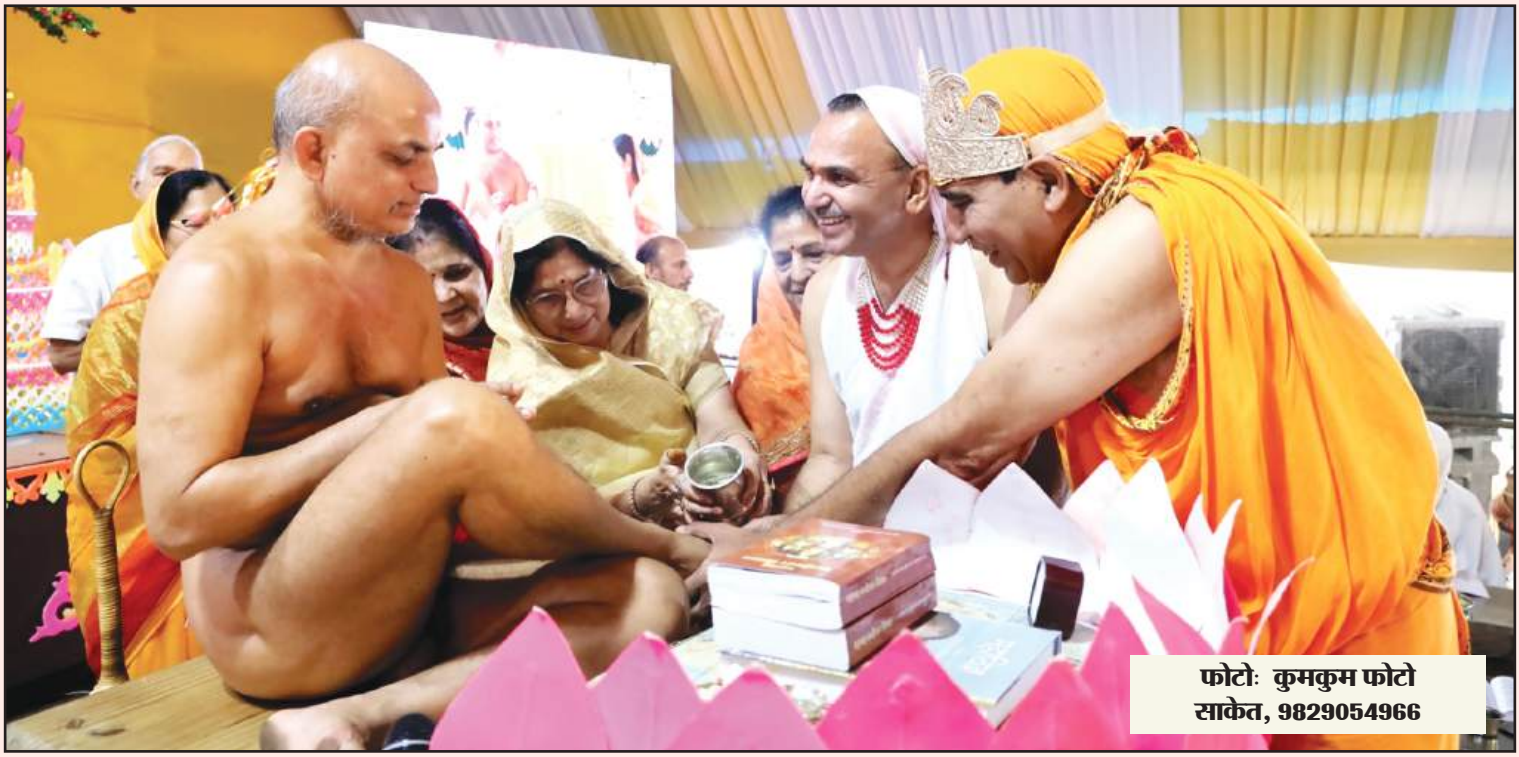

फोटोः कुमकुम फोटो
साकेत, 9829054966

नन्दीश्वर द्वीप महान... मुनि प्रणम्य सागर महाराज ससंघ के सानिध्य में धरती पर जैन धर्म के सबसे बड़े पूजा विधान का जयपुर में पहली बार आयोजन

52 जिनालयों में 5616 जिनबिम्बों की आठ दिवसीय आराधना, नन्दीश्वर द्वीप महामण्ड़ल विधान में जयकारों के साथ बुधवार को 972 अर्घ्य चढ़ाये

जयपुर. शाबाश इंडिया

संत शिरोमणि आचार्य विद्यासागर महामुनिराज के परम प्रभावक शिष्य अर्हम योग प्रणेता मुनि प्रणम्य सागर महाराज ससंघ के सानिध्य में हिन्दुस्तान के इतिहास में दूसरी बार तथा जयपुर में पहली बार धरती पर जैन धर्म के सबसे बडे पूजा विधान के रूप में मानसरोवर में चल रहे आठ दिवसीय महामह नंदीश्वर पूजा विधान में बुधवार को मंत्रोच्चार के साथ 972 अर्घ्य चढाये गये। इस दौरान पाण्डाल जयकारों से गुंजायमान हो उठा। श्री आदिनाथ दिगंबर जैन समिति मीरा मार्ग के संगठन मंत्री अशोक सेठी एवं सांस्कृतिक मंत्री जम्बू सोगानी ने बताया कि अर्हं योग प्रणेता मुनि प्रणम्य सागर महाराज द्वारा रचित इस महामह विधान में मानसरोवर के सेक्टर 9 स्थित सामुदायिक केन्द्र पर 52 जिनालयों की स्थापना की जाकर 5616 जिनबिम्बों की एक साथ एक स्थान पर आठ दिवसीय संगीतमय आराधना के इस विशाल आयोजन में बुधवार को प्रातः 6.15 बजे से सोधर्म इंद्र शीतल, अनमोल कटारिया परिवार के नेतृत्व में जयकारों के बीच श्री जी के अभिषेक किये गये। तत्पश्चात विश्व में सुख, शांति, समृद्धि और अमन चैन की कामना करते हुए भगवान कुंथुनाथ, भगवान अरहनाथ एवं भगवान महावीर स्वामी की शांतिधारा की गई। तत्पश्चात अष्ट द्रव्य से नित्य नियम पूजा की गई। तत्पश्चात नन्दीश्वर द्वीप विधान प्रारंभ हुआ। पश्चिम दिशागत अंजनगिरी स्थित जिन बिम्बों एवं पश्चिम दिशागत दधिमुख गिरी स्थित जिन बिम्बों की पूजा एवं अर्घ्य चढ़ाए गए । दक्षिण दिशा स्थित चार रतिकर पर्वतों के अर्घ्य चढ़ाए गए। समिति के

उपाध्यक्ष तेज करण चौधरी एवं संयुक्त मंत्री सीए मनोज जैन ने बताया कि एक जिनालय में 108 जिनबिम्ब विराजमान हैं। इस तरह से 52 जिनालयों में 5616 जिनबिम्बों के 5616 अर्घ्य आठ दिनों में चढ़ाये जाएंगे। समिति के उपाध्यक्ष तेज करण चौधरी एवं संयुक्त मंत्री सीए मनोज जैन ने बताया कि आयोजन के लिए आचार्य विद्यासागर महामुनिराज के सानिध्य में कुण्डलपुर (मध्य प्रदेश) में आयोजित पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव में प्रतिष्ठित 5616 जिन बिम्बों को सतना से जयपुर लाया गया है। इस मौके पर मुनिश्री ने अपने प्रवचन में बताया कि जिन बिम्बो के दर्शन करने से मन में विशुद्धि बनती है ।दर्शन का मन में भाव लाना और दर्शन करने का अपने आप में बड़ा महत्व है। बच्चों के खान-पान एवं गलत संगत से संस्कार बिगड़ रहे हैं। माता-पिता हर जगह बच्चों के लिए टाइम मैनेज कर लेते हैं, पर मंदिर के लिए वह टाइम मैनेज नहीं करते हैं। हमें बच्चों को बचपन से ही यह संस्कार देने चाहिए। इस मौके पर समाजश्रेष्ठी अशोक, सुशील कटारिया निवाई, सज्जन कटारिया किशनगढ़, राकेश - अंजली जैन दिल्ली, पारस कासलीवाल आदि ने चित्र अनावरण, दीप प्रज्जवलन, पाद पक्षालन एवं शास्त्र भेंट का पुण्यार्जन करते हुए मुनि श्री को श्रीफल भेंट कर आशीर्वाद प्राप्त किया। इस मौके पर सभी अतिथियों ने नन्दीश्वर द्वीप के 5616 जिनबिम्बों के दर्शन एवं परिक्रमा करने का लाभ

प्राप्त किया । समिति की ओर अध्यक्ष सुनील पहाड़िया, मंत्री राजेन्द्र सेठी, सुनील बैनाडा, तेज करण चौधरी, लोकेन्द्र जैन, मनोज जैन, अशोक सेठी जम्बू सोगानी, एडवोकेट राजेश काला आदि ने अतिथियों का स्वागत किया। पूजा विधान में जयपुर सहित पूरे देश से सैकड़ो से श्रद्धालु शामिल हुए। प्रचार प्रभारी विनोद जैन कोटखावदा के मुताबिक गुरुवार को प्रातः 6.15 बजे से अभिषेक, शांतिधारा के बाद नित्य नियम पूजा होगी। तत्पश्चात नन्दीश्वर द्वीप महामह पूजा विधान प्रारंभ होगा जिसमें जिनालयों के अर्घ्य चढाये जाएंगे। पूजा विधान के दौरान प्रातः 8.15 बजे मुनि प्रणम्य सागर महाराज के मंगल प्रवचन होगें । महामह नंदीश्वर पूजा श्री जैन के मुताबिक विधान में शनिवार, 19 अक्टूबर को 5616 वां अर्घ्य चढाया जायेगा। रविवार 20 अक्टूबर को विश्व शांति महायज्ञ के बाद मीरामार्ग के श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर तक विशाल शोभायात्रा निकाली जाएगी। **-विनोद जैन कोटखावदा**

विश्व एनेस्थीसिया दिवस पर कार्यशाला का आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया

दिनांक 16/10/24 को विश्व एनेस्थीसिया दिवस के अवसर पर महावीर पब्लिक स्कूल के महावीर सभा भवन में सीपीआर-कार्डियो पल्मोनरी रिससिटेशन पर एक कार्यशाला आयोजित की गई। यह कार्यक्रम एसएमएस मेडिकल कॉलेज, जयपुर के एनेस्थीसियोलॉजी विभाग द्वारा आयोजित किया गया था, जिसमें विभाग की अध्यक्ष डॉ. त्रिशला जैन और उनकी डॉक्टरों की टीम ने मार्गदर्शन किया, और समन्वयक प्रोफेसर डॉ. समृद्धि नंदा थीं। प्रमुख चिकित्सा संकायों में वरिष्ठ प्रोफेसर डॉ. ममता खंडेलवाल, एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. सतीवीर गुर्जर और डॉ. अमित कुलश्रेष्ठ कार्यक्रम में उपस्थित थे। प्रभावशाली तकनीकों और प्रदर्शनों के माध्यम से लगभग 400 छात्रों को जीवन रक्षक कौशल सीपीआर / सीओएलएस की तकनीक सिखाई गई। हर छात्र को व्यक्तिगत रूप से प्रक्रिया का अभ्यास करने और हृदयाघात के दौरान जीवन बचाने के तरीके को समझने का अवसर मिला। इस अवसर पर विद्यालय के मानद् मंत्री सुनील बख्शी और प्रधानाचार्या श्रीमती सीमा जैन भी उपस्थित थे, जिन्होंने छात्रों को प्रोत्साहित किया। यह अत्यंत जानकारीपूर्ण और इंटरैक्टिव सत्र सभी के लिए एक जागरूकता भरा अनुभव था और आपातकालीन स्थिति में हृदयाघात के समय प्राथमिक सहायता प्रदान करने के तरीके सीखने के लिए एक शानदार कार्यशाला थी।

तीर्थराज सम्मेद शिखर की यात्रा पर रवाना

जयपुर. शाबाश इंडिया। उपाध्याय श्री गुप्ती सागर जी महाराज एवं मुनि श्री प्रमाण सागर जी महाराज के आशीर्वाद एवं प्रेरणा से व श्री सम्मेद शिखर जी में विराजित सभी आचार्य, साधु परमेष्ठी व आर्यिका माताजी के आशीर्वाद से श्री सम्मेद शिखर जी की 11वीं यात्रा 16 अक्टूबर को 400 यात्रियों के साथ बुधवार को दोपहर 2:40 बजे अजमेर-सियालदह ट्रेन से रवाना हुई। जयपुर यात्रा संयोजक पीयूष जैन व नरेश कासलीवाल ने बताया की मुख्य संयोजक पवन गोधा के सानिध्य में पूरे देश से ग्यारह हजार यात्री एक साथ जो 15 से 22 अक्टूबर 2024 तक दिल्ली एवं समस्त भारत से एक साथ 15 ट्रेनों एवं 4 फ़्लाइटों द्वारा तीर्थराज सम्मेद शिखर पहुंचेंगे व पर्वताधिराज शाश्वत तीर्थ श्रीसम्मेद शिखर पर्वत की पद वंदना करेंगे । अजमेर से बुधवार को प्रकाश गदिया के संयोजन में 121 यात्री अजमेर-सियालदह ट्रेन से रवाना हुए । यात्रा में नरेश- नीना कासलीवाल पीयूष- प्रिया जैन, प्रकाश-निशा गदिया, टीकमचंद-आशा शाह, भी चित्रांग-नितिका गदिया हैं ।

नरेश कासलीवाल
अखिल भारतवर्षीय दिगंबर जैन परिषद राज. प्रांत के मीडिया प्रभारी

अयाँश क्लब का डांडिया में झूमे लोग

जयपुर. शाबाश इंडिया

करनी पैलेस रोड पर स्थित राधा कृष्ण गार्डन मेंआयांश क्लब द्वारा आयोजित सरस्वती प्रिंटिंग इंडस्ट्रीज के सहयोग से डांडिया बीट्स में युवतियों ,महिलाओ , युवाओं ने डांडिया म्यूजिक पर खूब थिरके ' मुख्य आयोजक अनीता शर्मा ने बताया कि मुख्य अतिथि सिविल लाइंस विधायक गोपाल शर्मा ,दीप प्रज्वलन कर्ता प्रसिद्ध उद्योगपति वअयाँश क्लब का डांडिया में झूमे लोग- करनी पैलेस रोड पर स्थित राधा कृष्ण गार्डन मेंआयांश क्लब द्वारा आयोजित सरस्वती प्रिंटिंग इंडस्ट्रीज के सहयोग से डांडिया बीट्स में युवतियों ,महिलाओ , युवाओं ने डांडिया म्यूजिक पर खूब थिरके ' मुख्य आयोजक अनीता शर्मा ने बताया कि मुख्य अतिथि

सिविल लाइंस विधायक श्री गोपाल जी शर्मा ,दीप प्रज्वलन कर्ता प्रसिद्ध उद्योगपति व श्री भारत वर्षीय दिगम्बर जैन महा सभा श्रुत के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बसंत जैन बैराठी रहे । यह इवेंट हम बडी इवेंट्स ,शिवा ज्वेलर्स सपोर्टेड था ' बेस्ट डांडिया , वेस्ट नृत्य,बेस्ट कपल नृत्य , बेस्ट किड्स के कई अवार्ड विजेताओं को दिए गए ' अतिथि के पद से बोलते हुए बसंत जैन ने कहा कि वर्तमान में डांडिया व अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रम महिलाओ द्वारा स्वतंत्र रूप से आयोजित करना बहुत ही महत्वपूर्ण बात है ' स्मृति चिन्ह आज के मुख्य अतिथि बसंत जैन द्वारा विजेताओं को दिए गए । भारत वर्षीय दिगम्बर जैन महा सभा श्रुत के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बसंत जैन बैराठी रहे । यह इवेंट हम बडी इवेंट्स ,शिवा ज्वेलर्स सपोर्टेड था ' बेस्ट डांडिया , वेस्ट नृत्य,बेस्ट कपल नृत्य ,,बेस्ट किड्स के कई अवार्ड विजेताओं को दिए गए ' अतिथि के पद से बोलते हुए बसंत जैन ने कहा कि वर्तमान में डांडिया व अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रम महिलाओ द्वारा स्वतंत्र रूप से आयोजित करना बहुत ही महत्वपूर्ण बात है ' स्मृति चिन्ह आज ' मुख्य अतिथि बसंत जैन द्वारा विजेताओं को दिए गए।

गुलाब कौशल्या चैरिटेबल ट्रस्ट ने दिव्यांगो को दी ट्राई साईकिलें 19 को नैत्र चिकित्सा एवं 21 को होगा रक्तदान शिविर का आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया

मानव कल्याण एवं दुःख निवारण के प्रति समर्पित गुलाब कौशल्या चैरिटेबल ट्रस्ट जयपुर के तत्वावधान में धर्म परायण करुणामयी श्राविका मातुश्री स्व. कौशल्या देवी मेहता की 28 वीं पुण्य स्मृति एवं गुलाब कौशल्या चैरिटेबल ट्रस्ट की 28 वीं वर्षगांठ पर 9 दिवसीय विशेष सेवा कार्यो का आयोजन किया गया है। ट्रस्ट के प्रधान ट्रस्टी डॉ नरेश कुमार मेहता ने बताया कि 13 अक्टूबर से 21 अक्टूबर तक आयोजित विशेष सेवा कार्यो के अन्तर्गत बुधवार को जरुरतमंद दिव्यांगजनों को ट्राई साईकिलें वितरित की गई। जे एल एन मार्ग स्थित श्री मेहता के आवास गिरनार पर मुख्य आयोजन किया गया। इस मौके पर पूर्व सासंद राम चरण बोहरा, कांग्रेस नेता एवं समाज कल्याण बोर्ड की पूर्व अध्यक्ष डॉ अर्चना शर्मा, जैन सोश्यल ग्रुप मेट्रो जयपुर के संस्थापक अध्यक्ष विनोद जैन कोटखावदा, महावीर इंटरनेशनल एसोसिएशन के अध्यक्ष सुभाष गोलेछा, उपाध्यक्ष नरेश सेठी, कोषाध्यक्ष अशोक राकां, प्रमुख समाजसेवी लक्ष्मी नारायण नागौरी सहित बडी संख्या में गणमान्य लोग एवं सामाजिक कार्यकर्ता शामिल हुए। इस मौके पर जयपुर में 4 स्थानो पर ट्राई साईकिलें वितरित की गई। समिति सदस्य विनोद जैन कोटखावदा ने बताया कि ट्रस्ट द्वारा स्थापित पदम ज्योति नैत्र चिकित्सालय बाडा पदमपुरा में 19 से 23 अक्टूबर तक निःशुल्क नैत्र चिकित्सा एवं लैंस प्रत्यारोपण शिविर का आयोजन किया जाएगा। जिसमें नैत्र रोगियों को जांच, भर्ती,लैंस प्रत्यारोपण, चिकित्सा, दवाईयां, भोजन, आवास, इत्यादि की निःशुल्क सुविधा उपलब्ध करवाई जाएगी। डॉ नरेश मेहता के मुताबिक सेवा कार्यों की कड़ी में सोमवार, 21 अक्टूबर को विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि श्री मेहता ने 38 साल पहले से ही रक्तदान शिविर आयोजित करना शुरू कर दिया था जब बहुत कम लोग/संस्थाए रक्त दान शिविर का आयोजन करतें थे। गुलाब कौशल्या चेरिटेबल ट्रस्ट की स्थापना 21अक्टूबर 1997 को अपने माता पिता की स्मृति में नरेश मेहता ने की इस मानव सेवार्थ ट्रस्ट के माध्यम से श्री मेहता ने अब तक करोड़ों रुपए खर्च कर मानव व समाज सेवा कार्य किये है तथा लगातार कर

रहें हैं। सन- 1998 से हर वर्ष 21अक्टूबर को रक्तदान शिविर लगाया जाता है।अब तक हजारों यूनिट रक्त जरुरत मंदो के लिए एकत्रित कर उन्हें निः शुल्क उपलब्ध करवाया जा चुका है।1998 में फरवरी में भी रक्तदान शिविर लगाया गया था। सन् 1997 से ही निः शुल्क नैत्र चिकित्सा एवं लैंस प्रत्यारोपण शिविरों का आयोजन किया जाकर नैत्र रोगियों की सेवा की जा रहीं हैं।अब तक हजारों कैम्प लगाये जा चुके हैं।पहले टैन्ट लगाकर नैत्र चिकित्सा एवं लैंस प्रत्यारोपण शिविर लगाते जाते थे। सन-2007 में तत्कालीन उप राष्ट्रपति श्री भैरों सिंह शेखावत द्वारा ट्रस्ट के अधीन पदम ज्योति नैत्र चिकित्सालय का पदमपुरा में लोकार्पण किया गया। तत्पश्चात अस्पताल में ही निः शुल्क नैत्र चिकित्सा एवं लैंस प्रत्यारोपण शिविर आयोजित किए जाने लगे।अब तक लगभग पचपन हजार से अधिक नैत्र प्रत्यारोपण आपरेशन किए जा चुके हैं। सम्पूर्ण राजस्थान के साथ पूरे उत्तर भारत से नैत्र रोगी पदमपुरा ईलाज हेतु आते हैं। प्रतिदिन निः शुल्क आउटडोर प्रातः 9 बजे से दोपहर 12बजे तक चलता है। माह में हर तीसरे शनिवार को भर्ती,जांच, आपरेशन किए जाते हैं। सोमवार को रोगियों को छुट्टी दी जाती है। इस दौरान रोगियों एवं उनके अटेंडेंट को निः शुल्क आवास व भोजन व्यवस्था उपलब्ध करवाई जाती है। रोगियों को निः शुल्क लैंस, चश्मा, दवाईयां आदि दी जाती है। इसके साथ ही ट्रस्ट द्वारा दिव्यांगो के लिए निः शुल्क जयपुर फुट ,ट्राई साईकिल, महावीर विकलांग सहायता समिति में, अणु विभा केन्द्र मालवीय नगर में, पदमपुरा अस्पताल में शिविर लगाकर दिये जाते हैं। निर्धन व जरुरत मंद बच्चों को छात्रवृत्ति, स्कालरशिप, स्कूल ड्रेस,कापी, पुस्तकें, स्वेटर, जर्सी आदि दी जाती है। महावीर इंटरनेशनल के माध्यम से कोढियो वह निर्धन परिवारों को मासिक राशन सामग्री उपलब्ध करवाई जाती है। श्री राम की नांगल चाकसू में वृद्धाश्रम चलाया जा रहा है। वृक्षारोपण कार्य किया जा रहा है। शीतल जल की प्याऊ व वाटर कूलर लगाये गये है। मुख्य रूप से एस एम एस अस्पताल में तथा न्यायालय सांगानेर में बड़ी प्याऊ व वाटर कूलर लगाये गये है। समाज की प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने में योगदान दिया जा रहा है। ट्रस्ट द्वारा रोटरी क्लब, लायन्स क्लब,जैन सोश्यल ग्रुप आदि संस्थाओं को सहयोग दिया जा रहा है।

-विनोद जैन कोटखावदा

बेशर्म पौधा भी उपयोगी है?

ये पौधा जो आप देख रहे है बड़े काम की चीज हुआ करता था लेकिन आजकल विलुप्त होने की कगार पर है। गोंडा में इसे बेहया कहा जाता है।

बेशरम/बेहया/थेथर एक किस्म का पौधा है, जिसे अलग-अलग जगह पर अलग-अलग नाम से जाना जाता है। बेहया को स्थानीय भाषा में बेशर्म के नाम से भी जाना जाता है। बेहया भारत में बड़ी ही आसानी से हर जगह देखा जा सकता है। इस पौधे में बहुत सुंदर गुलाबी रंग के फूल खिलते हैं। यह पौधा अक्सर सड़कों के किनारे, खाली जगह पर, नदी, तालाब, नहर आदि के किनारे अपने आप ही उग जाते हैं। इनकी खासियत होती है कि यह कठिन से कठिन परिस्थिति में भी जिंदा रहते हैं। यह पौधा कभी सूखता या मरता नहीं है। इसलिए इसे बेशर्म कहा जाता है। कम पानी या कम धूप में

डॉ पीयूष त्रिवेदी
आयुर्वेदाचार्य
चिकित्साधिकारी राजकीय आयुर्वेद चिकित्सालय राजस्थान विधानसभा,जयपुर।
9828011871

भी यह मुरझाते नहीं। अगर बेहया पौधे की टहनियों को तोड़कर कहीं भी फेंक दिया जाए तो ये वहीं खुद ही उगने लगता है। ये कही भी किसी भी हाल में उग जाता है। इसे पानी में भी उगाया का सकता है। यह पौधा पानी में सड़ता नहीं है। जंगली जानवर भी इस पौधे को नहीं खाते क्योंकि यह एक जहरीला पौधा होता है। बेहया के जहर के कारण इंसान भी इसे खा नहीं सकता। इसका उपयोग केवल बाहरी रूप से किया जाता है अंदरूनी रूप से नहीं। बेहया की पत्तियां, टेहनियां और दूध को प्राचीन समय से ही लोग कई स्वास्थ्य समस्याएं ठीक करने में इस्तेमाल करते चले आ रहे हैं। बेहया से कीटनाशक भी बनाया जाता है, जिसके छिड़काव से फसलों पर लगने वाले कीटो का नाश होता है। बेहया का इस्तेमाल कम लोग करते हैं। गांव में तो आज भी लोग इस पौधे का प्रयोग कर पुराने घाव भरते हैं, लेकिन शहरों में इसके बारे में बहुत कम लोग जानते है।

घाव ठीक करने में मददगार

बेहया में एंटीबैक्टीरियल एंटीमाइक्रोबियल और एंटीऑक्सिडेंट्स गण पाए जाते हैं। इसलिए बेहया पौधे का इस्तेमाल घाव भरने में अधिक किया जाता है। इसकी पत्तियों पर तेल लगाकर हल्का गर्म कर चोट या घाव पर लगाने से घाव जदली भर जाते है। माना जाता है कि पुराने घाव भरने में भी बेहया काफी कामगर होता है।

दर्द से दिलाए राहत

यह दर्द भी कम करता है। ऐसा माना जाता है कि इसकी पत्तियां पट्टी के रूप में लगाने से सारा दर्द खींच लेती है और आपको दर्द से राहत दिलाती है। इसमें दर्द को कम करने वाले गुण मौजूद होते हैं। इस पौधे का इस्तेमाल आपकी पुरानी चोट से हो रहे दर्द को भी कम करने की क्षमता रखता है। इसलिए चोट लगने पर चिकित्सक के पास नहीं जाना चाहते तो यह पौधा आपकी मदद कर सकता है।

सूजन

बेशर्म पौधे में सूजन रोधी गुण यानि एंटी इंफ्लामेटरी गुण पाए जाते हैं। इसकी पत्तियों को गर्म करके सूजी हुई त्वचा पर लगाने से सूजन ठीक हो जाती है। बेहया की पत्तियों से बने लेप को सूजी त्वचा पर लगाने से भी सूजन काम होती है। यह सूजन को 3 से 4 घंटे में ही ठीक करने लगता है। इस तरीके से पुरानी से पुरानी सूजन भी ठीक की का सकती है। सूजन को कम करने के लिए प्राचीन समय से इस पौधे को काफी लाभकारी माना जाता है।

बेशर्म को चर्म रोग ठीक करने में भी प्रयोग किया जाता है। इसके एंटीफंगल गुण चर्म रोग को ठीक करने में सक्षम होते हैं। इसके लिए इस पौधे की जड को उखाडकर और सुखाकर पीस लें और उसमें कपूर और कोकडे का तेल मिलाकर प्रभावित त्वचा पर लगाएं। इससे विटिलिगो जैसे चर्म रोग भी ठीक हो सकते है और तो और बेहाया दाद को भी ठीक करने में बहुत लाभदायक माना जाता है।

जहर को कम करता है

बेशर्म की टहनियों और पत्तों को तोड़ने पर एक प्रकार का दूध निकलता है। बिच्छू के डंक मारने पर यदि यह दूध लगाया जाए तो इससे धीरे-धीरे जहर का असर कम होने लगता है। यही नहीं बेहया के पत्तो का लेप भी बिच्छू के डंक पर लगाकर जहर के असर को रोका जा सकता है।

चर्म रोग के लिए फायदेमंद

बेशर्म को चर्म रोग ठीक करने में भी प्रयोग किया जाता है। इसके एंटीफंगल गुण चर्म रोग को ठीक करने में सक्षम होते हैं। इसके लिए इस पौधे की जड़ को उखाड़कर और सुखाकर पीस लें और उसमें कपूर और कोकड़े का तेल मिलाकर प्रभावित त्वचा पर लगाएं। इससे विटिलिगो जैसे चर्म रोग भी ठीक हो सकते है और तो और बेहाया दाद को भी ठीक करने में बहुत लाभदायक माना जाता है। इसके पत्ते त्वचा संबंधी अन्य कई विकारों में भी काम आते हैं।

नोटः बेहया का पौधा आपके लिए बहुत लाभदायक है। ध्यान रहे इसे खाना नहीं है। केवल उपरी तौर पर ही इसका सेवन आपको लाभ देता है।